RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 01 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :32 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 37 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बिहार के विकास में नीतीश का योगदान

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 015 | गाजियाबाद, शनिवार 01 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

भारत और अमेरिका ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढाने के लिए दस वर्ष के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किये

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत और अमेरिका ने रक्षा उद्योग, सेनाओं और रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढाने के लिए दस वर्ष के महत्वाकांक्षी रक्षा समझौते (रक्षा फ्रेमवर्क समझौते) पर हश्ताक्षर किये हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को कुआलालंपुर में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 12 वीं बैठक से इतर हुई बैठक में वार्ता के बाद इस समझौते पर हश्ताक्षर किये। इस समझौते के अंतर्गत अमेरिका भारत के साथ उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करेगा।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच रक्षा भागेदारी और मजबूत बनेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि यह समझौता भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगा और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र भारत-अमेरिका संबंधों का प्रमुख श्तंभ बना रहेगा।

उधर श्री हेगसेथ ने कहा कि रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत अमेरिका के लिए प्राथमिकता वाला देश है। उन्होंने कहा कि अमेरिका स्वतंत्र और मुक्त हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, " कुआलालंपुर में अपने अमेरिकी समकक्ष पीटर हेगसेथ के साथ एक उपयोगी बैठक हुई। हमने 10 वर्ष के 'अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा' पर हश्ताक्षर किए। यह हमारी पहले से ही मज़बूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह रक्षा रूपरेखा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगी। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा।

रक्षा हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख श्तंभ बना रहेगा। एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए हमारी साझेदारी महत्वपूर्ण है।"

श्री हेगसेथ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैंने अभी अपने समकक्ष राजनाथ सिंह से मिलकर 10 वर्ष के यूएस-इंडिया डिफेंस फ्रेमवर्क पर साइन किए हैं।

इससे हमारी डिफेंस पार्टनरशिप आगे बढ़ेगी, जो रीजनल स्टेबिलिटी और रोक के लिए एक अहम हिस्सा है। हम अपना कोऑर्डिनेशन, इन्फॉर्मेशन शेयरिंग और टेक कोऑपरेशन बढ़ा रहे हैं। हमारे डिफेंस संबंध पहले कभी इतने मज़बूत नहीं रहे।"

रक्षा मंत्रालय ने वक्तव्य में कहा है कि दोनों नेताओं के बीच बैठक अच्छी रही और प्रतिनिधिमंडल श्तर की बातचीत के बाद उनकी आमने-सामने की बैठक हुई।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में निरंतर तेज़ी की सराहना की और इसके परस्पर फायदे पर आधारित साझेदारी को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने रक्षा मुद्दों तथा चुनौतियों की समीक्षा की और रक्षा उद्योग तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने बढती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत जताई। बैठक के बाद दोनों नेताओं ने समझौते पर हश्ताक्षर किये।

विकसित भारत के लिए उद्यमी तैयार कर रहा यूपी : जयंत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सिर्फ़ लोगों को कौशल प्रदान नहीं कर रहा है बल्कि एक विकसित भारत के लिए उद्यमी भी तैयार कर रहा है।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने आज बताया कि श्री जयंत चौधरी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के बश्ती में कौशल विकास एवं उद्यमिता पहलों की प्रगति की समीक्षा करने के बाद कहा कि "कौशल भारत की असली ताकत इसके ज़िलों और गाँवों में निहित है।

बश्ती इस बात का उदाहरण है कि कैसे बुनियादी कौशल को उद्यमिता और स्थानीय उद्योगों से जोड़कर जीवन और समुदायों में बदलाव लाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश सिर्फ़ लोगों को कौशल प्रदान नहीं कर रहा है, बल्कि एक विकसित भारत के लिए उद्यमी भी तैयार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 24.6 लाख की आबादी और 14 ब्लॉकों और चाक तहसीलों में फैले बश्ती ज़िले में कौशल प्रशिक्षण और उद्यम निर्माण के क्षेत्र में पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे सक्रिय ज़िलों में से एक के रूप में तेज़ी से उभर रहा है। ज़िले में चार सरकारी आईटीआई, 26 निजी आईटीआई, दो पॉलिटेक्निक, एक जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) के साथ एक मज़बूत संस्थागत पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है, जो कुल मिलाकर सालाना 10,000 से ज़्यादा युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत बश्ती ने लगभग 15,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है। ज़िले ने स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सौंदर्य एवं स्वास्थ्य, हश्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित ताकि कौशल सीधे रोज़गार और उद्यमिता में परिवर्तित हो।

सरकार इतिहास बदलकर सच नहीं छिपा सकती, RSS पर फिर लगे प्रतिबंध : खरगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा-आरएसएस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वे पाठ्यक्रम बदलने का काम कर सच पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन उन्हें समझ लेना चाहिए कि सच को बदला नहीं जा सकता और ना ही इस पर पर्दा डाला जा सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरएसएस को घातक संघटक बताया और कहा कि सरकार पटेल के अनुसार इस संघटन के बनाए माहौला के कारण ही गांधीजी की हत्या हुई थी इसलिए आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। उनका कहना था कि मोदी सरकार ने आरएसएस की गतिविधियों पर सरकारी कर्मचारियों के हिस्सा लेने पर प्रतिबंध हटाया है उसे फिर लगाया जाना चाहिए।

श्री खरगे ने शुक्रवार को अपने आवास पर यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार बैसाखियों पर खड़ी है लेकिन इनकी सरकार उन्हीं लौहपुरुष के निर्णय को बदलने का काम कर रही है जो देश के पहले उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने लिये थे। उनका कहना था कि 9 जुलाई 2024 को मोदी सरकार ने आरएसएस की गतिविधियों पर लगा 58 साल पुराना वह प्रतिबंध हटाया है जिसमें आरएसएस के कार्यक्रमों में सरदार पटेल ने सरकारी कर्मचारियों के हिस्सा लेने पर प्रतिबंध लगाया था। उनका कहना था कि आरएसएस पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सरदार पटेल के लगाए प्रतिबंध को खत्म कर दिया है और अब पाठ्यक्रम में बदलाव कर इतिहास को बदलने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना था कि हाल ही में एनसीईआरटी की तीन किताबों में से गांधी जी, गोडसे, आरएसएस और 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े टॉपिक हटा दिए गए हैं।

भाजपा सरकार सच्चाई को छिपाना चाहती है, जो बहुत बुरी बात है लेकिन उसे समझ लेना चाहिए कि सच छिप नहीं सकता है। हालांकि मोदी सरकार हमेशा झूठ को सच बनाने की कोशिश में लगी रहती है और इससे उनकी मंशा समझ में आती है।

श्री खरगे ने कहा 'आज का दिन जहां बहुत महत्वपूर्ण है वहीं बहुत दुखद भी है। हम एक तरफ सरदार पटेल की जयंती मना रहे हैं, वहीं दुखद है कि आज इंदिरा गांधी का शहादत दिवस है।

मुर्मु और शाह ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की, शाह ने एकता दौड़ को झंडी दिखाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर शुक्रवार को यहां पटेल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में श्री शाह ने सरदार पटेल की जयंती 'एकता दिवस' के अवसर पर लोगों को देश की एकता और अखंडता के संकल्प की शपथ दिलाई और 'एकता दिवस दौड़' को झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रीमती मुर्मु और श्री शाह ने सुबह साढे छह बजे यहां पटेल चौक स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हम एसे कार्यों को बढ़ावा देंगे जो देश की एकता को मजबूती दें : मोदी

✷ वेबवार्ता. एकता नगर ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के एकता नगर में कहा कि हमने संकल्प लिया है कि हम ऐसे कार्यों को बढ़ावा देंगे जो देश की एकता को मजबूती दें। श्री मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यहां आयोजित भव्य समारोह में कहा, 'सरदार पटेल मानते थे कि इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए हमें तो इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए उनकी यह भावना उनकी जीवन गाथा में दिखाई देती है।' सरदार साहब ने जो नीतियां बनायीं जों निर्णय लिए उन्होंने नया इतिहास रचा, नया इतिहास बनाया। आजादी के बाद साढ़े पांच सौ से ज्यादा रियासतों को एकता में जोड़ने के असंभव कार्य को उन्होंने संभव करके दिखा दिया। एक भारत श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरी था। इसलिए आज सरदार पटेल की जयंति का दिन स्वभाविक रूप से राष्ट्रीय एकता का महापर्व बन गया है।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन टूटे, प्रमुख सूचकांक दो सप्ताह के निचले स्तर पर

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गयी और प्रमुख सूचकांक दो सप्ताह के निचले श्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 465.75 अंक (0.55 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 83,938.71 अंक पर बंद हुआ जो 16 अक्टूबर के बाद का निचला श्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 155.75 अंक यानी 0.60 प्रतिशत टूटकर 17 अक्टूबर के बाद के निचले श्तर 25,722.10 अंक पर आ गया। सुबह गिरावट में खुलने के बाद कुछ देर के लिए बाजार में तेजी देखी गयी थी, लेकिन बाद में फिर बिकवाली हावी हो गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने के बाद यह लगातार दूसरा दिन है जब दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं।

क्रिस्टीज की नीलामी में मुगल काल लघुचित्र 10,245,000 पाउंड में बिका

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। मुगल बादशाह अकबर के पसंदीदा कलाकारों में से एक बसावन द्वारा बनाई गई चट्टानी परिदृश्य में हरी-भरी घास पर आराम फरमाते चीतों के परिवार को दर्शाती एक लघु कलाकृति ने क्रिस्टीज की लंदन नीलामी में सबसे महंगी भारतीय शास्त्रीय कला का रिकॉर्ड बनाया है। यह नीलामी 28 अक्टूबर को हुई, जिसमें यह कलाकृति 10,245,000 ब्रिटिश पाउंड (लगभग 119.49 करोड़ रुपये) में बिकी। ''राजकुमार और राजकुमारी सदरुद्दीन आगा खान के निजी संग्रह की असाधारण कलाकृतियों'' में शामिल यह लघुचित्र क्रिस्टीज की नीलामी में अपने अनुमान से 14 गुना अधिक कीमत पर बिका।

तूफान मोंथा का कई राज्यों में कहर, तेलंगाना में छह की मौत

✷ वेबवार्ता. कोलकात/हैदराबाद/अमरावती ✷

भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ है। तेलंगाना में भारी बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद हालांकि 'मोंथा' कमजोर पड़ गया।

लेकिन उससे पहले भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए, मकान ढह गए और सड़कों पर पानी भर गया। बिजली की आपूर्ति और यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने शुक्रवार को उत्तर बंगाल के कई जिलों में अगले 24 घंटों में मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की है।

मोंथा का प्रभाव मध्य छत्तीसगढ़ पर बना हुआ है और इसके पूर्वी उत्तर प्रदेश से होते हुए बिहार की ओर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने दो दिनों तक आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों और उत्तरी तटीय क्षेत्रों में हल्की से सामान्य बारिश का अनुमान व्यक्त किया है।

तेलंगाना में अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव के कारण तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी बारिश के बाद अलग-अलग बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि तूफान ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश में दश्तक दी थी और अब इसकी गति धीमी पड़ रही है।

मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि अलीपुरद्वार, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, कलिम्पोंग और दार्जिलिंग जिलों के कुछ हिस्सों में तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान की आशंका है और इसके मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों में कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की चेतावनी जारी की है।

आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री जी. रवि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि हाल ही में आए भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा के कारण बिजली के करीब 13 हजार खंभे, तीन हजार किलोमीटर कंडक्टर लाइन और तीन हजार ट्रांसफार्मर क्षतिग्रश्त हो गए।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि चक्रवाती तूफान के कारण राज्य को कम से कम 5,265 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, अल्केमिस्ट ग्रुप की 127.3 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए अल्केमिस्ट ग्रुप से जुड़ी दो संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत अनंतिम रूप से कुर्क किया है।

ईडी के दिल्ली जोनल ऑफिस ने कंवर दीप सिंह के स्वामित्व वाली पंचकूला स्थित अल्केमिस्ट हॉस्पिटल और ओजस हॉस्पिटल के 127.3 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों को कुर्क किया। यह कार्रवाई मेसर्स अल्केमिस्ट ग्रुप, उसके निदेशकों, प्रमोटरों और संबद्ध कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच का हिस्सा है, जो बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग से जुड़ा मामला है। ईडी ने यह जांच कोलकाता पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी और बाद में सीबीआई, एसीबी लखनऊ द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी और 420 के तहत दर्ज मामलों के आधार पर शुरू की थी।

ये मामले मेसर्स अल्केमिस्ट टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स अल्केमिस्ट इंफ्रा रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड और समूह के प्रमोटर व निदेशक कंवर दीप सिंह तथा अन्य के खिलाफ दर्ज किए गए थे। ईडी की प्रारंभिक जांच से खुलासा हुआ कि कंपनी ने धोखाधड़ी कर सामूहिक निवेश योजनाओं (सीआईएस) के माध्यम से जनता से अवैध रूप से धन जुटाया था।

इन योजनाओं में निवेशकों को असामान्य रूप से ऊंचे रिटर्न का लालच दिया गया और प्लॉट, फ्लैट या विला आवंटन के झूठे वादे किए गए। जांच में पाया गया कि मेसर्स अल्केमिस्ट होल्डिंग्स लिमिटेड और मेसर्स अल्केमिस्ट टाउनशिप इंडिया लिमिटेड ने करीब 1,848 करोड़ रुपए गैर-जिम्मेदार निवेशकों से अवैध रूप से एकत्र किए और फिर इन पैसों का अनधिकृत उद्देश्यों के लिए इश्तेमाल किया।

यूपी : फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

ग्राम पंचायत अधिकारी समेत 5 गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

लखनऊ में एसटीएफ ने फर्जी वेबसाइट और सॉफ्टवेयर के माध्यम से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने ग्राम पंचायत अधिकारी समेत गिरोह के पांच सदस्यों-लाल बिहारी, रवि वर्मा, सोनू वर्मा, बंशराज वर्मा और सत्यरोहन को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को लखनऊ और जनपद गोंडा के मोतीनगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

एसटीएफ के पुलिस उपाधीक्षक सुधांशु शेखर के पर्यवेक्षण में टीम ने जांच शुरू की और सूचना तंत्र को सक्रिय किया।

इसी दौरान उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिंह की टीम को सूचना मिली कि कार सवार आरोपी लाल बिहारी पाल हरदोई से लखनऊ आ रहा है और फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का सदस्य है। टीम ने दुबग्गा चौराहे के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके पास से फर्जी जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बरामद हुए।

पूछताछ में लाल बिहारी ने बताया कि वह ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर हरदोई में तैनात है और अपने साथी रवि वर्मा (निवासी गोंडा) के साथ मिलकर यह धंधा चला रहा था।

एसआईआर के साथ जोड़ा जाए जातीय कॉलम : अखिलेश यादव

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर के साथ जातीय कॉलम जोड़ा जाना चाहिए, ताकि जातियों की स्थिति का स्पष्ट आकलन हो सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस सुझाव को स्वीकार करेगी।

अखिलेश यादव ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर के दूसरे चरण में जाति से जुड़ा एक अतिरिक्त कॉलम शामिल किया जाना चाहिए। इससे जाति-जनगणना में सहूलियत होगी और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सटीक नीति बनाई जा सकेगी। मुझे विश्वास है कि सरकार इस पर गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने गन्ना किसानों की समस्या पर बोलते हुए कहा कि गन्ने का भाव और बढ़ाया जाना चाहिए ताकि किसान परिवारों में खुशहाली आ सके।

एसपी की मंजूरी के बिना वकीलों को समन नहीं : उच्चतम न्यायालय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार की रक्षा के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण फैसले में उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को जांच एजेंसियों को मुवक्किलों को सलाह देने के वाश्ते वकीलों को मनमाने ढंग से तलब करने पर रोक लगाने के लिए कई निर्देश जारी किए और कहा कि जांच अधिकारी आपराधिक जांच में उन्हें तब तक नहीं बुला सकते जब तक कि पुलिस अधीक्षक की मंजूरी न हो।

ईडी द्वारा वकीलों को भेजे गए समन को खारिज करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह उन आरोपियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है जिन्होंने वकीलों को अपनी पैरवी के लिए चुना था।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने ईडी द्वारा धन शोधन जांच के सिलसिले में वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद स्वतः संज्ञान मामले में यह फैसला सुनाया।

पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति चंद्रन ने कहा कि उसने वकीलों की सुरक्षा के लिए ''नियम में छूट को सुसंगत बनाने'' का अनुरोध किया है और जांच एजेंसियों के अनुचित दबाव से कानूनी पेशे की रक्षा के लिए नए निर्देश जारी किए हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ कैलिब्रेशन फ्लाइट ट्रायल

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷ । नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर पर हवाई परिचालन की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। शुक्रवार को एयरपोर्ट के रनवे पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की कैलिब्रेशन फ्लाइट ने सफलतापूर्वक लैंडिंग की। यह ट्रायल नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की निगरानी में संपन्न हुआ। इस फ्लाइट ट्रायल के दौरान एयरपोर्ट के आईएलएस (इंटीग्रेटेड लैंडिंग सिस्टम), कम्युनिकेशन सिस्टम और नेविगेशन उपकरणों की बारीकी से जांच की गई। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की विशेष टीम ने इस प्रक्रिया को अंजाम दिया। ट्रायल के दौरान यह परखा गया कि रनवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, नेविगेशनल एड्स और ग्राउंड इक्विपमेंट्स अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं या नहीं।आईएलएस सिस्टम का सफल परीक्षण एयरपोर्ट की सुरक्षा और संचालन दोनों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। आने वाले महीनों में यहां वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत होने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में यह कैलिब्रेशन फ्लाइट ट्रायल एयरपोर्ट की तैयारियों की एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुआ है। सूत्रों के अनुसार, डीजीसीए की टीम ने इस दौरान विभिन्न तकनीकी मानकों और सिग्नल की सटीकता को परखा। यह सुनिश्चित किया गया कि रनवे पर विमानों के टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान सभी सिस्टम सुरक्षित और सुचारू रूप से कार्य करें। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ ने बताया कि यह ट्रायल एयरपोर्ट संचालन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। अब जल्द ही एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और डीजीसीए की अंतिम रिपोर्ट के बाद नियमित फ्लाइट ऑपरेशन की दिशा में आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। गौरतलब है कि जेवर एयरपोर्ट देश का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनने जा रहा है, जो दिल्ली-एनसीआर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए कनेक्टिविटी का नया द्वार खोलेगा। इस सफल कैलिब्रेशन फ्लाइट के साथ ही यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपने निर्धारित समय पर तैयार हो जाएगा।

गैर सहायता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देगी सरकार : सूद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷ । दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि राजधानी में नॉन कंफर्मिंग एरिया में चलने वाले गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूल अब मान्यता के लिए एक नवंबर से आवेदन कर सकते हैं। श्री आशीष सूद ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए दिल्ली में नॉन कंफर्मिंग एरिया में चलने वाले गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को मान्यता देने के लिए ठोस निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार वह सभी गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूल जो नॉन कंफर्म एरिया में काफी समय से चल रहे है और जिन्होंने शिक्षा निदेशालय से अभी तक किसी कारणवश मान्यता नहीं ली या पुरानी सरकारों के भेदभावपूर्ण व्यवहार के कारण उनको मान्यता नहीं मिल पाई ऐसे सभी स्कूल अब मान्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय का पोर्टल एक नवंबर से शुरू हो जाएगा। इस पोर्टल पर ऐसे सभी स्कूल जो मान्यता लेने के इच्छुक हैं वह 30 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक से यह मुद्दा फ़ाइलों में दबा रहा और हजारों बच्चे अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित रहे। दिल्ली में पहले सरकारों ने कुछ विद्यालयों को मनमानी तरीके से मान्यता दी और कुछ विद्यालयों की सरकार ने अनदेखी की थी । हमारी सरकार ने इस भेदभाव का अंत किया है। यह मात्र प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि हमारे बच्चों के लिए न्याय, संस्थानों के लिए निष्पक्षता और दिल्ली में शिक्षा के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक सच्चा कदम है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस निर्णय से लगभग 500 स्कूल अब शिक्षा निदेशालय के दायरे में आ जाएंगे, जिससे वैधता, नियामक निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इस सुधार से हजारों छात्रों को सीधा लाभ होगा। हर वर्ष शिक्षा निदेशालय को लगभग 40,000 सीटों के लिए ईडब्ल्यूएस/डीजी/सीडब्ल्यूएसएन श्रेणियों के अंतर्गत लगभग दो लाख आवेदन प्राप्त होते हैं, जिनमें से कई मान्यता प्राप्त स्कूलों की कमी के कारण खाली रह जाती हैं। नई मान्यता नीति से लगभग 20,000 अतिरिक्त सीटें सृजित होने की उम्मीद है। सरकार ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश केवल शिक्षा निदेशालय द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही करवाएं।

द्वारका एक्सप्रेसवे धंसने का खतरा!

एनएचएआई ने गुरुग्राम में रुकवाया जीएमडीए का यह काम

गुरुग्राम एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की ओर से द्वारका एक्सप्रेसवे के नीचे डाली जा रही पेयजल लाइन का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने रुकवा दिया है। एनएचएआई का आरोप है कि बिना मंजूरी लिए इस काम को शुरू किया गया है, इससे एक्सप्रेसवे के धंसने का खतरा है। पाइपलाइन बिछाने के दौरान दो जगह से मिट्टी खिसक गई है। एनएचएआई ने द्वारका एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान सीपीआर (सेंट्रल पेरिफेरल रोड) के नीचे से निकल रही वाटर सप्लाई की पाइपलाइन को शिफ्ट किया था। एवीएल 36 सोसाइटी के समीप करीब 350 मीटर जमीन पर विवाद होने के चलते यह पाइपलाइन नहीं डाली जा सकी थी। जीएमडीए की योजना इस पाइपलाइन के माध्यम से सेक्टर-58 से लेकर 80 तक पर्याप्त पानी पहुंचाने की थी। पाइपलाइन नहीं डलने की स्थिति में जीएमडीए ने कई बार लिखित और मौखिक रूप से एनएचएआई से इस पाइपलाइन को डालने का आग्रह किया, लेकिन जब योजना सिरे नहीं चढ़ी तो जीएमडीए ने पाइपलाइन डालने को लेकर स्वयं योजना बना दी। जीएमडीए ने एक कंपनी को करीब आठ करोड़ रुपये की लागत से अप्रैल माह में काम आवंटित कर दिया। इसके तहत दो हजार एमएम क्षमता की पाइपलाइन को द्वारका एक्सप्रेसवे के नीचे से निकालना था। विवादित जमीन के बदले में द्वारका एक्सप्रेसवे के दूसरे हिस्से में अधिग्रहित जमीन में पाइपलाइन डालकर द्वारका एक्सप्रेसवे के नीचे से निकालकर जोड़ना था। ठेकेदार ने इस योजना के तहत काम शुरू कर दिया। मामले में खास बात यह रही कि इस योजना को लेकर एनएचएआई को अवगत तो करवाया गया, लेकिन लिखित में मंजूरी नहीं ली गई। द्वारका एक्सप्रेसवे करीब 5 से 7 मीटर नीचे डाली जा रही इस पाइपलाइन में दो जगह पर मिट्टी खिसक गई। एक्सप्रेसवे पर चल रहे ट्रैफिक दबाव के चलते मिट्टी खिसक रही थी। जीएमडीए ने ठेकेदार कंपनी की मदद से ग्राउटिंग की मदद से मिट्टी को खिसकने से रोक दिया। एनएचएआई के संज्ञान में आया तो काम रुकवा दिया।

जीएमडीए के एक अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-58 से लेकर 80 तक विकसित रिहायशी सोसाइटियों तक पानी पहुंचाना है, जिसको लेकर यह पाइपलाइन डालनी आवश्यक है। एनएचएआई को कई बार लिखित और मौखिक रूप से इस पाइप लाइन के डालने की जानकारी सांझा की थी। एनएचएआई के काम रुकवाने के बाद मंजूरी के लिए एनएचएआई ने आवेदन कर दिया है।

सेक्टर-58 से लेकर 80 तक पानी पहुंचाने के लिए करीब 550 करोड़ रुपये का बुनियादी ढांचा पिछले दो साल से बनकर तैयार खड़ा है, लेकिन पाइपलाइन के नहीं जुड़ने की वजह से इन सेक्टरों में पानी सप्लाई नहीं किया जा सका है। सेक्टर-72 में करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से बूस्टिंग स्टेशन तैयार किया है। चंदू बुढेड़ा के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से सेक्टर-72 तक पाइपलाइन डालने पर करीब 176 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। एनएचएआई के एक अधिकारी ने बताया कि जीएमडीए ने बिना मंजूरी के द्वारका एक्सप्रेसवे के नीचे पाइपलाइन डालने का काम शुरू किया था। मिट्टी यदि अधिक खिसक जाती तो बड़ा हादसा घटित हो सकता था। फिलहाल काम रुकवा दिया है। जीएमडीए से आग्रह किया है कि वे पाइपलाइन की योजना और नक्शों को सांझा करें। तकनीकी समिति की जांच के बाद इस पाइप लाइन को डालने की मंजूरी दी जाएगी।

मुंबई में पहली बार नहीं हुई बंधक बनाने की घटना: डबल डेकर बस के यात्री से लेकर फ्लैट में बच्ची तक

मुंबई, एजेंसी। देश की वित्तीय राजधानी- मुंबई में गुरुवार को एक शख्स की तरफ से बच्चों को बंधक बनाए जाने की घटना ने पूरे शहर में तनाव का माहौल पैदा कर दिया है। यूं तो पुलिस ने सूझबूझ और तत्परता से काम करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया, लेकिन इस घटना ने ऐसे ही कुछ पुराने वाकयों की याद को ताजा कर दिया। दरअसल, मुंबई में बंधक बनाने यानी हॉस्टेज लेने की यह पहली घटना नहीं है। कुछ वर्षों पहले मुंबई को इस तरह के संकटों से जूझना पड़ा। तब पुलिस की क्षमताओं की भी जबरदस्त परीक्षा हुई थी।

मुंबई में आने वाले पवई स्थित एक स्टूडियो में रोहित आर्य नाम के व्यक्ति ने 17 बच्चों और दो वयस्कों को बंधक बना लिया। बच्चों को ऑडिशन के बहाने बुलाया गया था। इसके बाद पुलिस ने उसे समझा कर बच्चों की छुड़ाने की कोशिश की। हालांकि, जब रोहित नहीं माना तो पुलिस ने बहादुरी दिखाते हुए वॉशरूम के रास्ते स्टूडियो में घुसकर रेस्क्यू अभियान चलाया और बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया। इस दौरान फायरिंग में रोहित को गोली लग गई। बताया गया है कि गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी मौत हो गई।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हाल के वर्षों में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को बंधक बनाए जाने की यह पहली घटना है। इस बीच पिछले एक दशक में मुंबई में कई अन्य बंधक नाटकों ने भी सुर्खियां बटोरी हैं। आइये उन मामलों पर भी नजर डालते हैं... घटना मार्च 2010 में अंधेरी (पश्चिम) में घटी। यहां सेवानिवृत्त सीमा शुल्क अधिकारी हरीश मारोलिया ने 14 वर्षीय हिमानी नाम की लड़की को अपने फ्लैट में बंधक बना लिया था। इमारत में निर्माण कार्य को लेकर हुए विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया था। पुलिस कार्रवाई के दौरान उसने लड़की की हत्या कर दी और खुद भी आत्महत्या कर ली थी। इसी तरह की एक घटना नवंबर 2008 में हुई। बिहार के 25 वर्षीय राहुल राज ने अंधेरी से चल रही बृहन्मुंबई परिवहन उपक्रम (बेस्ट) की डबल डेकर बस में यात्रियों को बंधक बना लिया था। बस जब कुर्ला के बैल बाजार इलाके में पहुंची तो करीब सौ पुलिसकर्मियों ने उसे घेर लिया।

नोएडा एयरपोर्ट की तैयारी

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 20 किलोमीटर दायरे में आने वाले सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों को इससे जोड़ने की तैयारी है। यह सुझाव गुरुवार को आयोजित एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग कमेटी की बैठक में दिया गया। नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा जल्द शुरू होने जा रही है। इससे पहले एयरपोर्ट पर तैयारियों की समीक्षा का सिलसिला चल रहा है। एयरपोर्ट की विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन की अध्यक्षता में एयरपोर्ट परिसर में एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान यमुना एक्सप्रेसवे की एंबुलेंस सेवा और 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सरकारी गैर सरकारी अस्पतालों को भी एयरपोर्ट से जोड़ने का सुझाव दिया गया ताकि दुर्घटना की स्थिति में घायलों को चिकित्सा सेवा मिल सके। अभी यापल ने यथार्थ अस्पताल के साथ करार किया है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-22ई में बन रहे ट्रामा सेंटर को भी एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। मार्च में हुई बैठक में दिए सुझावों पर क्रियान्वयन का मूल्यांकन किया गया। बैठक में एडीएम बच्चू सिंह, एसडीएम जेवर अभय कुमार सिंह समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने एविएशन हब के लिए तीसरे और चौथे चरण में अधिग्रहीत की जा रही जमीन से प्रभावित किसानों के पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन पर आपत्ति एवं दावे की सुनवाई के लिए कार्यक्रम तय कर दिया है। एडीएम भूमि अध्याप्ति बच्चू सिंह ने बताया कि रामनेर गांव में 25 नवंबर को शिविर लगाकर आपत्ति पर सुनवाई होगी। 26 नवंबर को साबौता मुस्तफाबाद, अहमदपुर चौरोली और 27 नवंबर को थोरा गांव के किसानों के दावों को सुना जाएगा।

नूंह को नई सौगात, सालाहेड़ी गांव में खुलेगा जिले का पहला केंद्रीय विद्यालय; केंद्र ने दी मंजूरी

नूंह एजेंसी। नूंह जिले के विद्यार्थियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। नूंह के सालाहेड़ी गांव में जहां पहला केंद्रीय विद्यालय खोलने की मंजूरी मिल चुकी है। वहीं, फिरोजपुर झिरका में राजकीय मॉडल कॉलेज की इमारत निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। इन दोनों परियोजनाओं से जिले में उच्च शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्कूल शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। नूंह जिला देश के पिछड़े जिलों में गिना जाता है। यहां के छात्र अब तक उच्च शिक्षा के लिए गुरुग्राम, फरीदाबाद या दिल्ली जैसे शहरों पर निर्भर थे। मॉडल कॉलेज और केंद्रीय विद्यालय खुलने से छात्रों को स्थानीय स्तर पर अच्छी शिक्षा मिल सकेगी। खासतौर पर बेटियों को अब दूर-दराज के इलाकों में नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनकी पढ़ाई जारी रखने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

केंद्र सरकार ने नूंह जिले में पहले केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को मंजूरी दे दी है। यह विद्यालय गांव सालाहेड़ी में खोला जाएगा। हरियाणा सरकार इसके लिए लगभग छह एकड़ जमीन निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। जब तक स्थायी भवन तैयार नहीं हो जाता, तब तक कक्षाएं छपेड़ा गांव के सरकारी स्कूल में आगामी सत्र से लगाई जाएंगी। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की मंजूरी के बाद केंद्रीय विद्यालय संगठन ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार, भूमि और अस्थायी भवन का हस्तांतरण जल्द पूरा किया जाएगा। नूंह के उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय की मंजूरी मिल चुकी है और प्रशासन ने जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि स्कूल की इमारत तैयार होने तक अस्थायी कक्षाओं की व्यवस्था की जा रही है। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि विद्यालय की भूमि और भवन पर किसी प्रकार का संपत्ति कर या सेवा कर नहीं लगेगा, क्योंकि यह केंद्र सरकार की संपत्ति मानी जाएगी। इस परियोजना के पूरा होने से नूंह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनके अपने जिले में ही मिलेगी। फिरोजपुर झिरका में राजकीय मॉडल कॉलेज की इमारत का निर्माण आठ करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इमारत को 15 महीने में तैयार किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने इसके टेंडर लगा दिए हैं। दो साल पहले मॉडल कॉलेज शुरू हुआ था और वर्तमान में एक सरकारी स्कूल भवन में अस्थायी रूप से चल रहा है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद छात्रों को स्थायी भवन की सुविधा मिलेगी। शिक्षाविद सिद्दीक अहमद का कहना है कि यह कॉलेज नूंह जिले जैसे पिछड़े क्षेत्र के विद्यार्थियों, खासतौर से लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर खोलेगा। अभी जिले में केवल सालाहेड़ी, पुन्हाना, तावडू और नगीना में ही कॉलेज हैं, जिससे दूरदराज के छात्रों को परेशानी होती है।

जशपुर के युवाओं ने हिमालय पर साबित किया छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, रच डाला इतिहास

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के आदिवासी युवाओं के एक दल ने भारतीय पर्वतारोहण के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। इस दल ने हिमाचल प्रदेश की दुहंगन घाटी (मनाली) में स्थित 5,340 मीटर ऊंची जगतसुख पीक पर एक नया आल्पाइन रूट खोजा है, जिसे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल के सम्मान में विष्णु देव रूट नाम दिया गया है। टीम ने यह चढ़ाई बेस कैंप से केवल 12 घंटे में पूरी की, वह भी आल्पाइन शैली में, जो तकनीकी रूप से अत्यंत कठिन मानी जाती है।

यह ऐतिहासिक अभियान सितंबर 2025 में आयोजित हुआ, जिसका आयोजन जशपुर प्रशासन ने पहाड़ी बकरा एडवेंचर के सहयोग से किया। इस अभियान को हीरा ग्रुप सहित अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सहयोग प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस दल के पांचों पर्वतारोही पहली बार हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचे थे। सभी ने जशपुर के देशदेखा क्लाइम्बिंग एरिया में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जो जशपुर प्रशासन द्वारा विकसित भारत का पहला प्राकृतिक एडवेंचर खेलों के लिए समर्पित प्रशिक्षण क्षेत्र है।

विश्वस्तरीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने इस पहल से भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को जोड़ा, जिनमें बिलासपुर के पर्वतारोही एवं मार्गदर्शक स्वप्निल राचेलवार, न्यूयॉर्क के रॉक क्लाइम्बिंग कोच डेव गेट्स, और रनर्स ड्रक के निदेशक सागर दुबे शामिल रहे। इन तीनों ने मिलकर युवाओं के उस दल को तकनीकी, शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया और दो महीनों की कठोर तैयारी और बारह दिनों के अभ्यास पर्वतारोहण के बाद टीम ने यह चुनौतीपूर्ण चढ़ाई पूरी की। अभियान प्रमुख स्वप्निल राचेलवार ने बताया कि जगतसुख पीक का यह मार्ग नए पर्वतारोहियों के लिए अत्यंत कठिन था। मौसम चुनौतीपूर्ण था, दृश्यता सीमित थी और ग्लेशियरों में छिपी दरारें बार-बार बाधा बन रही थीं।

गाजियाबाद में बड़ी छूट के साथ 4500 से अधिक फ्लैट खरीदने का मौका

गाजियाबाद , एजेंसी। एनसीआर के शहर गाजियाबाद में आवास एवं विकास परिषद की मंडोला विहार और सिद्धार्थ विहार योजना में साढ़े चार हजार से अधिक खाली पड़े फ्लैट 15 फीसदी तक की छूट पर खरीदने का मौका मिल रहा है। 'पहले आओ, पहले पाओ' की तर्ज पर यह योजना 30 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। परिषद ने दिवाली पर फ्लैट के दामों में 15 फीसदी छूट देने की घोषणा की थी।

गाजियाबाद की दो योजनाओं में साढ़े चार हजार से अधिक फ्लैट खाली हैं। पहले 60 दिन में संपूर्ण भुगतान पर पांच फीसदी छूट मिलती थी। इसे बढ़ाकर 15 फीसदी किया गया है। हालांकि, यह छूट निश्चित समय के लिए ही है। योजना 30 अक्टूबर से 31 जनवरी 2026 तक चलेगी।

इस अवधि में लोग आवास एवं विकास परिषद, उत्तर प्रदेश की साइट पर जाकर जिला और योजना का चयन कर खाली फ्लैटों की सूची देख सकते हैं। फ्लैट पर क्लिक कर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के 60 दिन के भीतर भुगतान पर फ्लैट की कीमत में 15 फीसदी की छूट मिलेगी। 61 से 90 दिन के भीतर भुगतान करते हैं तो 10 फीसदी छूट दी जाएगी। इसके बाद छूट नहीं मिलेगी। सभी फ्लैटों पर 10 साल के होम लोन की भी सुविधा है। 31 जनवरी के बाद योजना समाप्त हो जाएगी और 60 दिन में संपूर्ण भुगतान पर पांच फीसदी छूट मिलेगी। तीन गुना छूट के साथ परिषद ड्रॉ प्रक्रिया के झंझट से मुक्ति दे रहा है। उप आवास आयुक्त अनिल कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी संपत्ति के लिए परिषद पहले रजिस्ट्रेशन कराती है और एक से अधिक पंजीकरण होने पर ड्रॉ कराए जाते हैं। इस योजना में मनचाहा फ्लैट तुरंत अपने नाम करा सकते हैं।

ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण जोरो पर, प्रशासन मौन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

प्रदुषण बढ़ता है तो बढ़ने दो हमे क्या...किसी की जान जाती है, तो जाने दो हमे क्या... शहर के लोग परेशान होते है तो होने दो हमे क्या... हम सरकार-प्रशासन हैं किसी के जाति नौकर थोड़े ही है।

कुछ ऐसा ही हाल देश की राजधानी दिल्ली सीमा से सटे वशाली मेट्रो स्टेशन के नीचे है। गाजियाबाद जिला प्रशासन की लापरवाही के चलते वैशाली मेट्रो स्टेशन के परिसर पर बने एक बैंक्वट हॉल के संचालकों द्वारा ग्रीन बेल्ट को छतिग्रस्त कर अतिक्रमण किया जा रहा है।

|शहर के अति व्यस्त वैशाली मेट्रो स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो ने गैर कानूनी रूप से दो बैंक्वट हॉल बनवा रखे हैं। दोनों बैंक्वट हॉल के संचालन मौका पड़ते ही ग्रीन बेल्ट को छतिग्रस्त कर कब्जा कर लेते है। इस कड़ी में डीएमआरसी, भी पीछे नहीं है। डीएमआरसी ने मेट्रो स्टेशन के खुले क्षेत्र में अवैध रूप से दुकानों का निर्माण कर दिया। विगत एक माह से दिल्ली एनसीआर का इलाका बुरी तरह प्रदुषण की चपेट में है। जिसके कारण वायू प्रदुषण खतरनाक श्तर पर है। प्रदुषण को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदी लगा रखी है लेकिन पाबंदी केवल दिखावा साबित हो रही है। अधिकारी एसी कमरों में बैठ कर कागजी खानापुर्ति करने का काम करते है।

जिलाधिकारी से मिला चैलेंजर्स ग्रुप

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

चैलेंजर्स ग्रुप ट्रस्ट ने शुक्रवार को सेक्टर-27 स्थित जिला अधिकारी मेधा रूपम से मुलाकात की। संस्था ने विगत वर्षों में किए गए सामाजिक व शैक्षिक पहल की जानकारी साझा की।

संस्था की हाल ही में शुरू की गई पाठशाला ऑन व्हील्स पहल के बारे में भी बताया।

संस्था के अध्यक्ष प्रिंस शर्मा ने बताया कि इस मोबाइल क्लासरूम के माध्यम से ऐसे बच्चों तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है जो मुख्यधारा से दूर हैं। जिला अधिकारी मेधा रूपम ने कहा कि शिक्षा ही देश के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है और ऐसे प्रयास निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे।

फुफेरे भाई की दरिंदगी- 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म कर छत से नीचे फेंका, आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित मोदीनगर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद जघन्य वारदात सामने आई है। एक फुफेरे भाई पर अपनी 17 वर्षीय बहन के साथ दुष्कर्म करने और विरोध करने पर उसे छत से नीचे फेंकने का आरोप लगा है।

पीड़िता गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना निवाड़ी थाना क्षेत्र के एक गाँव की है। पीड़िता, जो इंटर की छात्रा है, 27 अक्टूबर की रात को रोज की तरह घर की छत पर सो रही थी, जबकि परिवार के बाकी सदस्य नीचे थे। देर रात परिजनों ने अचानक चीख सुनी और पाया कि उनकी बेटी नीचे गिरी पड़ी है। उसे गंभीर हालत में तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया गया।

अस्पताल में होश में आने के बाद किशोरी ने जो बात बताई, उससे परिजनों के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। किशोरी ने बताया कि रात में उसकी बुआ का बेटा कृष्णा (निवासी रहीसपुर) छत पर आ गया था। उसने जबरन दुष्कर्म किया और विरोध करने पर उसे बेरहमी से पीटा। जब किशोरी ने मदद के लिए चिल्लाने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसे छत से नीचे फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। किशोरी ने अपने बयान में एक और रूह कंपाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि आरोपी कृष्णा पिछले आठ वर्षों से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था।

पहली बार जब यह घिनौनी हरकत हुई, तब वह मात्र 9 साल की थी। इसके बाद आरोपी धमकाकर बार-बार उसका शोषण करता रहा और विरोध करने पर मारपीट भी की गई। इस संबंध में एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने जानकारी दी कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कृष्णा को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल किशोरी का इलाज जारी है। एसीपी ने बताया कि किशोरी की हालत में सुधार होने पर उसका बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराया जाएगा।

गवाहों को धमकाने के आरोपी को मिली अग्रिम राहत

✸ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✸ । अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने माफिया रणदीप भाटी गैंग कनेक्शन से जुड़े सतेंद्र बंसल को अग्रिम जमानत प्रदान की है। आरोपी के खिलाफ जारचा कोतवाली गवाहों को धमकाने और जान से मारने के प्रयास के आरोप में केस दर्ज है। अभियोजन के अनुसार वादी पक्ष ने आरोप लगाया था कि आरोपी सतेंद्र बंसल और उसके साथियों ने गवाहों को धमकाने और जान से मारने का प्रयास किया था। वादी ने बताया कि पहले भी रणदीप भाटी गिरोह के सदस्यों ने उसके भाई कमल भाटी और अन्य पर हमले किए थे। इसी रंजिश के चलते उन पर दोबारा हमला करने की साजिश रची गई। हालांकि बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि वादी और उसके मामा दोनों को सरकारी सुरक्षा मिली हुई थी। जिनके साथ एनएसजी कमांडो और सात पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। बावजूद न तो किसी सुरक्षा कर्मी ने जवाबी कार्रवाई की और न ही उनका बयान दर्ज किया गया। इससे घटना संदिग्ध प्रतीत होती है। सह-आरोपी अजीत, हरेंद्र बंसल और यतेंद्र उर्फ लाला को पहले ही न्यायालय से जमानत मिल चुकी है। अदालत ने मामले में गुण-दोष पर टिप्पणी किए बिना सतेंद्र बंसल को शर्तों के साथ अग्रिम जमानत प्रदान की।

जापान की मिजुहो बैंक ने जताई ग्रेटर नोएडा में निवेश की इच्छा

✸ एनसीआर टुडे. गौतमबुद्ध नगर ✸ । जापान के मिजुहो बैंक का चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज निवेश की संभावनाओं को तलाशने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ सहित कई अधिकारियों से मिला।विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा व इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर की सराहना की। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि जापान के मिजुहो बैंक के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार कॉर्पोरेट नोएडा प्राधिकरण के सीईओ और आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक एनजी रवि कुमार, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान प्राधिकरण की तरफ से जापानी प्रतिनिधिमंडल के समक्ष ग्रेटर नोएडा और इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर की विस्तृत जानकारी दी गई। जापान के प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा और इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर की सराहना की।

धोखधड़ी कर ठगने वाला शातिर दबोचा

✸ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✸ । थाना हरदुआगंज पुलिस टीम द्वारा धोखाधड़ी कर पैसे ऐंठने वाले शातिर ठग को ठगे गये पैसे और अवैध तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक मोबाईल फोन व धोखाधड़ी से अर्जित किये गये रुपयों में से शेष बचे 87,000 रुपये बरामद हुए। आरोपी का एक अन्य साथी महेश पुत्र हरनारायण निवासी नगरिया मेहरावल थाना गभाना फरार है। बंगालीलाल शर्मा पुत्र थान सिंह निवासी ग्राम बरौठा थाना हरदुआगंज ने गल्ला मण्डी मे अपना धान बेचा था, धान बेचने से प्राप्त धनराशि को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा वादी के पुत्र को बीमार बताकर झाँसा देकर 30 हजार रूपये धोखाधड़ी कर ठग लेने के व विष्णु कुमार पुत्र लक्ष्मीकान्त निवासी ग्राम दारापुर थाना हरदुआगंज ने गल्ला मण्डी मे अपना धान बेचा था, धान बेचने से प्राप्त धनराशि को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा वादी से 82500 रुपये धोखाधड़ी से ले जाने के संबंध मे थाने धोखाधड़ी के मुकदमें पंजीकृत किया गये है ।

अनियंत्रित कार गड्ढे में पलटी, छह घायल

✸ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✸ । थाना गभाना क्षेत्र में गाजियाबाद हाईवे इगलास से सोनीपत जा रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में कार सवार करीब छह लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदरसे घायलों को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर को इगलास क्षेत्र के गांव रायतपुर निवासी अंकित सिंह कार से हरियाणा के सोनीपत में एक होटल में काम करने के लिए गांव के करीब पांच युवकों को कार से लेकर जा रहे थे। रास्ते में गभाना क्षेत्र में हाईवे स्थित राजाबाग के पास कुत्ते को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। मौके पर राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों ने कार सवार अंकित, ओमवीर सिंह, शकील, कुलदीप सिंह, रमाकांत, सोनू का बाहर निकाला। घायलों का उपचार पास के एक अस्पताल में कराया है।

किसके संरक्षण में सारसौल पर दौड़ रहीं अवैध ईको और बसें

✸ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✸ । मसूदाबाद व सारसौल बस स्टैंड से डग्गेमार वाहन संचालकों की मनमानी शुरू हो जाती है। जो रातभर जारी रहती है। वहीं सारसौल चौराहा और खेरेश्वर चौराहे से अवैध रूप से ईको गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है जो अलीगढ़ से सवारियां भरकर नोएडा और दिल्ली तक दौड़ रही हैं। इन वाहन संचालकों का दबदबा इस कदर है कि अगर यात्री इन वाहनों में बैठने से इन्कार कर दिया तो ये मारपीट करने पर आमादा हो जाते हैं।

झूठ बोलकर धोखाधड़ी से दूसरी शादी करने का आरोप

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

अकबरपुर बहरामपुर निवासी एक महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर झूठ और फरेब से शादी करने और दहेज के लिए प्रताड़ित करने आरोप लगाया है।

पुलिस आयुक्त से शिकायत के बाद क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने दस लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अकबरपुर बहरामपुर निवासी आशा का कहना है कि उनका पहले पति से तलाक हो चुका है।

नवंबर 2024 में रिश्ते की बहन के देवर हरजीत सिंह निवासी पुरानी कोंडली फेज-तीन, मयूर विहार दिल्ली सूरज नाम के बिचौलिए के माध्यम से घर आए और उनसे शादी की इच्छा जताई।

हरजीत ने बताया कि उसका अपनी पत्नी अंजू से विवाद चल रहा है और तलाक होने वाला है। उसकी बातों पर भरोसा कर परिजनों की सहमति से 17 जनवरी 2025 को आर्य समाज मंदिर कड़कड़डूमा दिल्ली में दोनों की शादी हो गई।

आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही हरजीत और उसकी मां मंजीत कौर ने दहेज को लेकर ताने मारने शुरू कर दिए और उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगे। इसी दौरान प्रार्थिनी गर्भवती हो गई। तभी उन्हें पता चला कि हरजीत का पहली पत्नी से तलाक नहीं हुआ है और वह अब भी उससे मिलता-जुलता है।

आशा के मुताबिक उन्होंने विरोध जताया तो हरजीत, उसकी मां मंजीत, पिता दिनेश, सूरज, कपिल, नितिन, नेहा, सुमित्रा, अमृता और संजीव ने गाली-गलौज और मारपीट की। अगस्त 2025 में हरजीत और उसकी मां ने उसे गर्भावस्था के दौरान ही मारपीट कर उन्हें मायके छोड़ दिया।

20 अगस्त 2025 को उन्होंने अस्पताल में बेटी को जन्म दिया। सूचना देने पर हरजीत और उसकी मां अस्पताल पहुंचे, लेकिन उन्होंने लड़की पैदा होने पर ताने मारते हुए खरी-खोटी सुनाई और किसी प्रकार का खर्च नहीं उठाया।

हरजीत और उसके परिजन लड़की पैदा होने पर रिश्ते खत्म करने का दबाव बना रहे हैं। बाद ने हरजीत ने कहा कि शादी के सभी दस्तावेज फर्जी हैं और आर्य समाज मंदिर में पहले से ही सेटिंग की गई थी, जिससे कोई सबूत न मिले।

यह सुनकर वह बेहोश होकर गिर पड़ी। 22 अक्टूबर की शाम हरजीत उनके घर पहुंचा और मारपीट कर गला घोंटने का प्रयास किया। आरोप है कि क्रॉसिंग रिपब्लिक में शिकायत देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके चलते उन्होंने पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई।

सीओ वेव सिटी प्रियश्री पाल का कहना है कि पति, सास-ससुर और बिचौलिया समेत दस लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में केस दर्ज के मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

परिवार गया था नैनिताल चोरों ने गेट का ताला तोड़कर घर किया साफ

✸ एनसीआर टुडे. लोनी ✸

लोनी के ट्रोनिका सिटी क्षेत्र की अंसल कॉलोनी में चोरों ने बंद घर के गेट का ताला तोड़कर अलमारी में रखी हजारों की नकदी लाखों रुपये के आभूषण और कैमरे की डीवीआर चुरा ली।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अंसल कॉलोनी निवासी जुनेद खान बच्चों के साथ 19 अक्टूबर को जिम कॉरबेट पार्क नैनीताल घूमने गए थे।

उनकी पत्नी अनम खान भी उसी दिन घर को बंद कर अपनी मां के साथ अजमेर शरीफ दरगाह पर गई घूमने गई थी। पत्नी ने बताया कि तीन दिन बाद भाई अजीम को नौकरानी के साथ घर की सफाई करने के लिए भेजा था। दोनों घर पहुंचे और मेन गेट का ताला खोला तो उन्होंने देखा कि कमरे के दरवाजे खुले हुए थे।

घर के अंदर सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। कमरे में रखी अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। भाई ने घटना की सूचना उन्हें दी। उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया।

पिता-पुत्रों ने हमला कर पड़ोसी को घायल किया

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

गोविंदपुरम के कैलाशपुरम-दो में पिता पुत्रों और अज्ञात लोगों ने हमला कर पड़ोसी को घायल कर दिया घटना के संबंध में पीड़ित ने कविनगर थाने में केस दर्ज कराया है।

पुलिस का कहना है कि पिता-पुत्रों और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कैलाशपुरम-दो निवासी अकुल सिंह ने बताया कि पांच अक्टूबर की रात करीब सवा नौ बजे वह रईसपुर की ओर गमले की मिट्टी डालने जा रहे थे।

तभी पड़ोसी कृष्णवीर अत्री ने अपनी छत से अचानक भारी सामान फेंककर उनके कंधे पर मारा, जिससे उन्हें चोट आई। जब उन्होंने विरोध किया तो कृष्णवीर ने उनकी मां के साथ गाली-गलौज की और डंडे से हमला करने नीचे आ गया।

स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। पीड़ित के अनुसार कुछ समय बाद कृष्णवीर अत्री अपने दोनों बेटों और करीब 20 अन्य लोगों के साथ उनके घर के बाहर पहुंचा। आरोपियों ने दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

अकुल सिंह ने बताया कि उन्होंने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन सिर्फ फोटो लेकर लौट गई और थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा। पीड़ित का आरोप है कि मेडिकल कराने के अनुरोध के बावजूद पुलिस ने मना कर दिया। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि शिकायत के आधार पर पिता-पुत्रों और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

छात्रा समेत तीन लोगों से बदमाशों ने मोबाइल छीने

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

बेखौफ बदमाशों ने अलग-अलग थानाक्षेत्र में छात्र और बुजुर्ग समेत तीन लोगों से मोबाइल फोन छीन लिए। बुजुर्ग का मोबाइल छीनने के बाद बदमाशों ने खाते से रकम भी साफ कर दी। पुलिस का कहना है कि तीनों मामलों में केस दर्ज कर बदमाशों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा काशिका यादव का कहना है कि वह कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में रहती हैं। बीते 27 अक्टूबर की सुबह करीब साढ़े पांच बजे गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से ऑटो में सवार होकर जा रही थीं। स्टेशन से करीब सात सौ मीटर आगे बढ़ने पर दो युवक बाइक पर आए और अचानक उनका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए।

पीड़िता के अनुसार, घटना के बाद उन्होंने अपने नंबर पर कॉल करने की कोशिश की, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। विजयनगर पुलिस ने छात्रा की शिकायत के आधार पर 30 अक्टूबर को केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। बुजुर्ग का मोबाइल छीन पेटीएम से रकम उड़ाई डीपीएस स्कूल चौक के पास बदमाशों ने एक बुजुर्ग का मोबाइल फोन छीन लिया और फिर पेटीएम से पांच हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। घटना गुरुवार सुबह करीब साढ़े दस बजे की है। प्रताप विहार सेक्टर-11 निवासी दिगंबर सिंह बिष्ट 23 अक्टूबर की सुबह ई-रिक्शा से शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश आए और उनका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। दोनों बदमाशों ने हेलमेट लगाया हुआ था। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने तुरंत मोबाइल नंबर ब्लॉक कराया, लेकिन तब तक बदमाशों ने पेटीएम से पांच हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित की बेटी शिवानी बिष्ट ने 30 अक्टूबर को नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया।

पैंठ से लौटते वक्त बदमाशों ने मोबाइल छीना कविनगर थानाक्षेत्र के गोविंदपुरम एच-ब्लॉक में कुसुम बैंक्वेट हॉल के पास साप्ताहिक पैंठ से लौट रहे युवक से बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया।

गोविंदपुरम जी-ब्लॉक निवासी ब्रह्म सिंह का कहना है कि बीते 23 अक्टूबर की रात वह साप्ताहिक बाजार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात युवक ने मौका पाकर उनका मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गया। घटना के संबंध में पीड़ित ने 30 अक्टूबर को कविनगर में केस दर्ज कराया।

ससुरालियों पर पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने ससुरालियों पर पति को आत्महत्या के लिए उकसाने तथा खुद को जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगा है।

इस संबंध में महिला ने कोर्ट के आदेश पर आठ नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। सिद्धार्थ विहार सेक्टर-दस स्थित ब्रह्मपुत्र एंक्लेव में रहने वाली संध्या गौतम के मुताबिक उनकी शादी वर्ष 2015 में अरुण गोस्वामी से आर्य समाज मंदिर शास्त्रीनगर में हुई थी।

शादी के बाद उन्होंने पुत्र रुद्र गोस्वामी और पुत्री तृप्ति गोस्वामी को जन्म दिया। संध्या ने आरोप लगाया कि जब ससुराल को उनके अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने का पता चला तो उन्होंने उसे नीची जाति का ताना देते हुए घर से निकालने की धमकी दी।

सास सुनीता गोस्वामी, ननद दीपिका गोस्वामी और अन्य परिजनों ने अरुण पर संध्या से तलाक लेने का दबाव बनाया। इससे परेशान होकर अरुण अवसाद में चला गया। संध्या का कहना है कि 14 अगस्त 2025 की रात पति अरुण ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

5 करोड़ की पुरानी करेंसी बरामदगी पर पुलिस की जवाबदेही पर सवाल

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

जिले के शालीमार गार्डन थाना पुलिस पर पांच करोड़ रुपये की पुरानी करेंसी की बरामदगी को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि इस मामले में पुलिस ने अनियमितताएं की और साक्ष्यों में छेड़छाड़ की गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मैनपुरी से ट्रैप कर आठ लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनके पास लगभग पांच करोड़ रुपये की पुरानी करेंसी बरामद हुई। बताया जा रहा है कि इस पूरी कार्रवाई में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और मामला चौकी स्तर पर निपटाने की कोशिश की गई। घटना के दौरान रात करीब बारह बजकर तीस मिनट पर ऑनलाइन माध्यम से एक बैग मंगवाया गया। इसे नदीम नामक व्यक्ति लेकर आए, जो करन गेट चौकी का कारखास बताया गया है।

कुछ ही देर बाद सीसीटीवी फुटेज में आरिफ नामक युवक को वही बैग चौकी से बाहर ले जाते हुए देखा गया। यह पूरी प्रक्रिया थाना प्रभारी बृजेश यादव की मौजूदगी में हुई बताई जा रही है। मीडिया को इस पूरे मामले की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई, लेकिन सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गया। विशेषज्ञ और आम लोगों के बीच सवाल उठ रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम की बरामदगी में एसओपी का पालन क्यों नहीं किया गया।

साथ ही बैग के स्थानांतरण और संदिग्ध गतिविधियों की जवाबदेही किसे दी जाएगी और निजी व्यक्तियों की संलिप्तता की जांच कब होगी, यह भी स्पष्ट नहीं है।

पुलिस प्रशासन की जवाबदेही और पारदर्शिता पर यह मामला गंभीर सवाल खड़ा करता है।

एएनएम ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पुलिस ने शव को सील कर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा

✸ एनसीआर टुडे. धामपुर ✸

नगर की टीचर्स कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाली 26 वर्षीय एएनएम ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नूरपुर के मोहल्ला हजरत नगर निवासी नेहा शर्मा पुत्री विजय वीर शर्मा धामपुर की टीचर्स कॉलोनी में कृष्ण कुमार के मकान में किराए पर रहती थी।

बताया जाता है कि वह ठाकुरद्वारा में किसी इंस्टीट्यूट से एएनएम की पढ़ाई कर रही थी और धामपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एएनएम का कार्य करती थी। कृष्ण कुमार और उनकी पत्नी संतोष कुमारी ने बताया कि कल शाम 6:00 बजे वह अपने कमरे पर आई थी।

आज सुबह जब संतोष कुमारी फर्स्ट फ्लोर पर सफाई करने गई तो उन्होंने नेहा शर्मा का कमरा बंद पाया। जबकि वह प्रतिदिन सवेरे ही उठ जाती थी। इसके बाद उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई आवाज न आने पर खिड़की से झांक कर देखा तो नेहा पंखे से लटकी हुई थी। जिस पर उन्होंने परिजनों व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंखे से लटकी हुई नेहा शर्मा को नीचे उतारा तब तक उसकी सांसे थम चुकी थी। इसके बाद पुलिस ने फोरेंसिक टीम को भी बुलाया। पुलिस मृतका के शव को थाने ले आई और पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। नेहा शर्मा ने आत्महत्या क्यों की है, यह रहस्य बना हुआ है। मृतका के परिजन भी धामपुर पहुंच गए हैं।

छेडछाड वाले मजनू को कालोनी के लोगों ने पकड़कर की पिटाई

✸ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✸

मंडावर रोड स्थित भारत विहार कॉलोनी के सामने स्थित एक कालोनी

में उस समय अफरा-'तफरी मच गई। जब एक मनचले युवक ने एक मासूम से छेड़छाड़ कर दी। लड़की के द्वारा शोर मचाए जाने पर एकत्र मोहल्ले के लोगों ने कथित मजनू की पकड़ कर जमकर धोल पूजा की।बताया जाता है कि कथित मजनू को कॉलोनी वासियों ने बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक प्रक्रिया शुरू कर दिया।

यह पूरा मामला रामबाग कालोनी का बताया जाता है। बताते चलें कि शहर में आजकल मनचलो के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस को इन पर लगाम लगाने के लिए ऑपरेशन मजनू चलाना चाहिए। ताकि बालिकाओं की असमत से कोई खिलवाड़ करने का साहस ही नहीं कर सके।

बसपा का खोया जनाधार पाने को नाजिम अलवी को पार्टी प्रमुख ने दी बडी जिम्मेदारी

चार बार की बसपा सरकार में मुस्लिमो को दिए सम्मान - "विकास की याद दिलाएंगे : अलवी

✸ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✸

धामपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हर्रा निवासी दिग्गज युवा बसपा के मुख्य मुरादाबाद मंडल कोऑर्डिनेटर नाजिम अहमद अल्वी को बसपा सुप्रीमो बहन कुमारी मायावती ने अब पूरे मुरादाबाद मंडल जिसमें पांच जनपद और 27 विधानसभा आती हैंकी बडी जिम्मेदारी सोपी है।

उन्हें सभी जगह घूम-घूम कर एवं छोटी-छोटी मीटिंग करके पूर्व में रही चार बार की बसपा सरकार में जो कार्य मुस्लिम समाज के लिए किए गए हैं। वह कार्य मुस्लिम समाज को बताकर मुस्लिम समाज को बहुजन समाज पार्टी से जोड़ने की अहम जिम्मेदारी नाजिम अल्वी को दी।

बसपा नेता नाजिम अहमद अल्वी ने बसपा अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती द्वारा दी गई अहम जिम्मेदारी के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वह पूर्व की भांति इस विशेष जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

नाजिम अहमद अल्वी ने आगे कहा कि बसपा जाति व धार्मिक द्वेष के आधार पर

तोड़े,सताये व पछाडे जा रहे लोगों के बीच आपसी भाईचारा के आधार पर उन्हें जोड़ने के लिए समर्पित/कटिबंध है।

बिना किसी भेदभाव के सभी के जान माल व मजहब की सुरक्षा तथा रोजी-रोटी सहित सम्मान के साथ उन्हें जीने का संवैधानिक अधिकार मिले। किसी के साथ अन्याय ना हो इसके लिए बसपा का सत्ता में होना जरूरी है। उत्तर प्रदेश में चार बार बसपा की सरकार बनी बसपा की सरकार में बहुजनों को रोजी-रोटी के साथ-साथ उन्हें आत्म सम्मान के साथ जीने योग्य बनाकर संविधान के मानववादी एवं कल्याणकारी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरा प्रयास किया गया। जो बसपा को सही मायने में महान बनाने हेतु अति जरूरी है।

बसपा के मुख्य मंडल कोऑर्डिनेटर नाजिम अहमद अल्वी का कहना है कि मुस्लिम समाज को एकजूटता के साथ सपा कांग्रेस आदि पार्टियों के बजाय सीधे बसपा को समर्थन करना चाहिए। ताकि भाजपा की घातक राजनीति को चुनाव में हराया जा सके। मुस्लिम समाज द्वारा सपा कांग्रेस को एक तरफा वोट देने के बावजूद भाजपा को हराया नहीं जा सका। अगर मुस्लिम समाज द्वारा एक तरफ वोट बहुजन समाज पार्टी को मिला होता तो भाजपा सत्ता से बाहर होती।

नाजिम अहमद अल्वी ने बताया कि 29 अक्टूबर को प्रदेश कार्यालय लखनऊ में बहन कुमारी मायावती की अध्यक्षता में हुई अति महत्वपूर्ण मीटिंग में सबसे अगली पंक्ति में स्थान देकर जो बहन जी ने मुझे सम्मान दिया है मैं उनका आभारी हूं।

क्षेत्र में गुलदार से ग्रामीण भयभीत, पकड़े जाने की मांग

एनसीआर टुडे. नहटौर। ग्राम फूलसंदा खाकम निवासी प्रियांशु अपने साथी के साथ कार से जा रहा था। बताया जाता है कि रात को ग्राम फुलसंदा से नरैनी को जाने वाली सड़क पर अचानक कार के सामने गुलदार दिखाई दिया। जिसका कार सवारों ने वीडियो बना लिया। गुलदार काफी देर तक कार के आगे आगे चलता रहा। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्षेत्र में गुलदार की दस्तक को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। पूर्व में भी इस क्षेत्र में कई बार गुलदार देखा गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़वाए जाने की मांग की है।

गृहकर में 20 फीसदी छूट का लाभ नवंबर तक

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। गृहकर जमा करने पर 20 फीसदी छूट का लाभ नवंबर तक मिलेगा। महापौर ने आज छूट की अवधि एक माह के लिए और बढ़ा दी है। नवंबर के बाद करदाताओं को 10 फीसदी छूट का लाभ मिलेगा।

गृहकर जमा करने पर 20 फीसदी छूट का लाभ 31 अक्टूबर को खत्म हो गया था। लेकिन शहर के करीब 4 लाख 77 हजार करदाताओं में से लगभग 40 फीसदी ने ही गृहकर जमा किया है। बड़ी संख्या में लोगों ने गृहकर जमा नहीं किया है। महापौर ने करदाताओं को राहत देते हुए 20 फीसदी छूट का लाभ नवंबर तक बढ़ा दिया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर बनाई गई मानव श्रृंखला : डॉ. अनुज

✸ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✸

हल्दौर ग्रुप कॉलेज हल्दौर में लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय निदेशक डॉ अनुज कुमार ने पटेल जी के योगदान की याद दिलाते हुए कहा की पटेल जी ने देश के लिए भारत को एक करने, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने, और देश की शुरुआती विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने 562 रियासतों को भारतीय संघ में विलय करके देश की एकता सुनिश्चित की। जिसके कारण उन्हें भारत का 'बिस्मार्क' और 'लौह पुरुष' कहा जाता है। इसके अलावा उन्होंने बारडोली सत्याग्रह और खेड़ा सत्याग्रह जैसे आंदोलनों का नेतृत्व किया।

स्वतंत्रता के बाद देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में कार्य किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर योगेंद्र त्यागी ने बताया की पटेल जी का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद गांव में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था।

सरदार पटेल के जीवन से हमें नेतृत्व, एकता दृढसंकल्प और देशभक्ति की सीख मिलती है। उनके जीवन से यह भी पता चलता है कि धैर्य, सादगी और न्याय के प्रति समर्पण कितना महत्वपूर्ण है।

कैसे व्यक्तिगत चुनौतियां पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने दिखाया की दृढ़ता और व्यावहारिक सोच से बड़ी से बड़ी समस्या का हल किया जा सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में विद्यालय में संपन्न हुआ लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती कार्यक्रम

✸ एनसीआर टुडे. नगीना ✸

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रामलीला बाग ,नगीना ,बिजनौर में आज विद्यालय के पवित्र प्रांगण में मां शारदा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर वंदना उपरांत राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में स्वतंत्र भारत के वास्तुकार लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस उपलक्ष्य में विद्यालय के भैय्या- बहिनों में प्रियांशु ,विधि चौहान,रिचा सैनी, दीपांशी इत्यादि ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए उनके उनके जीवन का सुंदर परिचय सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। इस उपलक्ष्य में विद्यालय कार्य क्रम प्रमुख आचार्य श्री सुधीर कुमार एवं आचार्या बहिन श्रीमती शालू बिश्नोई ने कार्यक्रम की शोभा को आगे बढ़ाते हुए जयंती के महत्व पर प्रकाश डालकर सभी का मार्गदर्शन किया।

दूसरी तरफ इस अवसर पर नगीना नगर में ही आयोजित रन फॉर यूनिटी में हिस्सा लेते हुए विद्यालय के कक्षा द्वादश के भैय्या बॉबी कुमार,ललित कुमार व पराग चौहान ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान एवं कक्षा षष्ठ की बहिन वंशिका ने प्रथम ,कक्षा दशम की बहिन वंशिका ने द्वितीय व कक्षा षष्ठ की बहिन नंदिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपना व विद्यालय का परचम लहराया, सभी विजेता भैय्या-बहिनों को विद्यालय के प्रांगण में पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियन्ता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई-निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता दिल्ली अनुभाग में ट्रैक के किनारे कूड़ा बीनने का कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत(₹)	₹1,79,99,682.90 (रुपये एक करोड़ उन्यासी लाख निन्यानबे हजार छः सौ बयासी और नब्बे पैसे मात्र)।
बयाना राशि(₹)	₹2,40,000/- (रुपये दो लाख चालीस हजार मात्र)
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	21.11.2025 को 15:00 बजे तक · निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) ₹ 0.00
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारों को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाएं स्वीकृत नहीं की जाएंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/ई-निविदा सूचना/43/2025-26/W-3 दिनांक: 30.10.2025 3381/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

आज भी जारी है सत्ता की सियासत में परिवारवाद

बिहार में सत्ता की सियासत में परिवारवाद का खेल जारी है। प्रदेश की कई पार्टियों ने अपने सगे संबंधियों को ही चुनावी मैदान में उतारा है। लगभग हर जिले में किसी न किसी बड़े सियासी घराने के बेटे, बेटी, दामाद, बहू या पत्नी चुनावी अखाड़े में हैं। गायघाट से गया, रोहतास से औरंगाबाद और समस्तीपुर से लेकर मुजफ्फरपुर तक, टिकट बंटवारे में पारिवारिक समीकरण देखे जा सकते हैं।

बीजेपी, जेडीयू, राजद और रालोमो ने अपने परिवार वालों पर ही भरोसा जताया। किसी सांसद की पत्नी मैदान में हैं तो कहीं पूर्व मंत्री के बेटे को टिकट मिला। कहीं, दामाद से उम्मीदें हैं तो कहीं बहू और समधिन को प्रचारक बनाया। सारण के गरखा से चिराग ने अपने भांजे सीमांत मृणाल को मैदान में उतारा है।

जिससे साफ होता है कि बिहार की राजनीति में वंशवाद सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति बन चुकी है। नेताओं के घरों से निकली नई पीढ़ी अब अपनी सियासी पहचान गढ़ने को तैयार है। गया की दस सीटों में चार हम (हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा) को मिलीं हैं। इन सभी पर जीतनराम मांझी ने परिवार या रिश्तेदारों को उतारा है।

टिकारी से डॉ. अनिल कुमार और अतरी से उनके भतीजे रोमित कुमार उम्मीदवार हैं। बाराचट्टी से ज्योति देवी मांझी (समधिन) और इमामगंज से दीपा मांझी (पतोहू) मैदान में हैं। उधर, चेरिया बरियारपुर में जदयू ने पूर्व मंत्री मंजू वर्मा के बेटे अभिषेक आनंद को टिकट दिया, जबकि राजद ने पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह के बेटे सुशील सिंह कुशवाहा को उतारा। गायघाट से जदयू प्रत्याशी कोमल सिंह की मां वीणा देवी वैशाली से सांसद हैं। पिता जदयू के एमएलसी हैं। उनके अलावा सकरा में जदयू विधायक अशोक चौधरी के बेटे आदित्य कुमार चुनावी मैदान में हैं। मीनापुर से जदयू ने पूर्व मंत्री दिनेश प्रसाद सिंह के बेटे अजय कुशवाहा को टिकट दिया। कुढ़नी से बबलू कुशवाहा ससुर बसावन भगत (पूर्व मंत्री) की परंपरा आगे बढ़ा रहे हैं। साहेबगंज में राजद ने पूर्व मंत्री राम विचार राय के दामाद पृथ्वीनाथ राय को उम्मीदवार बनाया। बरूराज से वीआईपी के ई. राकेश राय चुनाव मैदान में हैं, पिता शशि राय पांच बार विधायक रह चुके हैं।

सासाराम से स्नेहलता (उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी) रालोमो प्रत्याशी हैं। दिनारा से आलोक सिंह (मंत्री संतोष सिंह के भाई) मैदान में हैं। औरंगाबाद से गोपाल सिंह के पुत्र त्रिविक्रम नारायण सिंह भाजपा प्रत्याशी हैं। करगहर में संतोष मिश्रा (पूर्व मंत्री गिरीश नारायण के पुत्र) कांग्रेस के उम्मीदवार बनाए गए हैं। नवीनगर से जदयू ने चेतन आनंद (आनंद मोहन और लवली आनंद के पुत्र) को मैदान में उतारा है।

तरारी-बक्सर इलाके में पांडेय परिवार का क्षेत्र में प्रभाव है। तरारी से भाजपा विधायक विशाल प्रशांत (पूर्व जदयू विधायक सुनील पांडेय के पुत्र) फिर मैदान में हैं। उनके चाचा हुलास पांडेय बक्सर की ब्रह्मपुर सीट से लोजपा (आर) के प्रत्याशी हैं। शाहपुर से राकेश रंजन (दिवंगत भाजपा उपाध्यक्ष विश्वेश्वर ओझा के पुत्र) भाजपा प्रत्याशी हैं। जगदीशपुर से राम विष्णु सिंह लोहिया के बेटे किशोर कुणाल को टिकट मिला है। आधिकारिक वेबसाइटों, चुनावी हलफनामों और भारत के चुनाव आयोग की रिपोर्टों के आंकड़ों से पता चला है कि सभी राजनीतिक दल प्रथम परिवारों के प्रभाव में हैं। देश भर के आंकड़े चौंकाने वाले हैं।

आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस, अपनी सिकुड़ती चुनावी उपस्थिति के बावजूद, इस सूची में शीर्ष पर है जिसके 33.25% सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्य राजनीतिक परिवारों से आते हैं। भारतीय जनता पार्टी, जो स्पष्ट रूप से एक अलग संगठन है, अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ कदमताल मिला रही है।

इसके 2, 078 विधायकों में से, अनुमानित 18.62% वंशवादी हैं। यह भी चौंकाने वाली बात है कि जब राज्य विधानसभाओं या संसद में एक से अधिक सदस्यों वाले परिवारों की बात आती है, तो भाजपा नंबर एक स्थान पर है भाजपा के सहयोगी दलों में, तेलुगू देशम पार्टी के 163 विधायकों में से 51 विधायक वंशवादी हैं, जबकि जनता दल (यूनाइटेड) के 81 विधायकों में से 28 वंशवादी हैं। यह परिवार द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, जो राष्ट्रीय विपक्ष के कुछ घटक हैं, में भी फैसले लेता है।

लोकतंत्र में, रिश्तेदारों को राजनीतिक उत्तराधिकार का अधिकार देने से रोकने वाला कोई नियम नहीं है। लेकिन यह परंपरा कई कारणों से लोकतंत्र की भावना के प्रतिकूल है। उदाहरण के लिए, लोकतंत्र के गहराने से आदर्श रूप से राजनीतिक दलों की पहुँच आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होनी चाहिए। हालाँकि, इस समय एक विपरीत समीकरण प्रचलित है-जो योग्यता के सिद्धांत के लिए हानिकारक है-जिसमें एक राजनीतिक दल ऐसे पारिवारिक पूंजीहीन लोगों पर भरोसा करने के बजाय नेता के परिवार के सदस्यों के प्रति वफ़ादार रहना पसंद करता है।

यह पार्टियों को नई पीढ़ी के नेताओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार करने से भी रोकता है। इस कमी के गंभीर परिणाम होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक नेता का निधन या अयोग्यता आंतरिक पारिवारिक कलह की संभावना को बढ़ा सकता है, जिससे दलबदल या यहाँ तक कि एक राजनीतिक इकाई का विघटन भी हो सकता है।

राजनीतिक संस्थाओं पर परिवार की पकड़ के कारण सामूहिक असंतोष के संकेत मिल रहे हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि जिसमें नेतृत्व क्षमता हो वो आगे आएं और राजनीति में वंशवाद की कोई जगह नहीं। देश की आजादी के इतने वर्षों बाद भी परिवारवाद की जड़ें मजबूत और गहरी होती चली गईं है। लोहिया का नाम लेनेवालों दलों ने तो लोहिया का अनुसरण ही नहीं किया। किसी एक एक दल की बात नहीं कांग्रेस पर सवाल खड़े करने वाली बीजेपी भी इससे अछूती नहीं। अलग-अलग जातियों और पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टियां भी विरासत परिवार को ही सौंपते हैं।

बिहार के विकास में नीतीश का योगदान

संजय गोस्वामी

बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री के सूची पर नजर डालें तो 1977 में जनता पार्टी से कर्पूरी ठाकुर 1979 में रामसुंदर दास सोसलिस्ट पार्टी से थे जो कांग्रेस का ही एक घटक दल था भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जो मुख्य मंत्री बने उसमें 1980 में जगन्नाथ मिश्र, 1983 में चन्द्रशेखर सिंह, 1985 में बिंदेश्वरी दुबे, 1988 में भागवत झा आजाद, 1989 में कुछ समय के लिए सत्येन्द्र नारायण सिन्हा, बाद में पुनः जगन्नाथ मिश्र बने लेकिन 10 मार्च 1990 में लालू यादव जगन्नाथ मिश्र को चुनाव में हराकर आरजेडी से मुख्य मंत्री बने वे 1990 से 1997 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे।

बाद में उन्हें 2004 से 2009 तक केंद्र की यूपीए सरकार में रेल मन्त्री का कार्यभार सौंपा गया। जबकि वे 15वीं लोक सभा में सारण (बिहार) से सांसद थे उन्हें बिहार के बहुचर्चित चारा घोटाला मामले में रांची स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अदालत ने पांच साल कारावास की सजा सुनाई थी।

इस सजा के लिए उन्हें बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारागार रांची में रखा गया था। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रखा जबकि उन पर कथित चारा घोटाले में भ्रष्टाचार का गम्भीर आरोप सिद्ध हो चुका था। 3 अक्टूबर 2013 को न्यायालय ने उन्हें पाँच साल की कैद और पच्चीस लाख रुपये के जुर्माने की सजा दी।

दो महीने तक जेल में रहने के बाद 13 दिसम्बर को लालू प्रसाद को सुप्रीम कोर्ट से बेल मिली लालू यादव या उनका परिवार ही बिहार में लम्बे समय तक मुख्य मंत्री के रूप में टिके थे अब उनके पुत्र तेजस्वी यादव सीधे महा गठबंधन से बिहार के मुख्य मंत्री के रूप अपना नाम घोषित करा लिए लेकिन उनकी योग्यता पर सवाल उठाना जायज है क्योंकि बिहार में गृह सचिव, आईएएस, आई पी एस जो आई ए एस अधिकारी होता है वो नहीं चाहेगा कि 9 वीं पास तेजस्वी यादव को अंदर काम करें और फिर कम पढ़े लिखे लोग उनके आस पास होंगे जो किसी माफियाओ से मिले होंगे। लालू शायद बिहार के सबसे करिश्माई नेता हैं; और 1990 के दशक के मध्य में अपनी सत्ता के चरम पर, वे अजेय लग रहे थे। लेकिन सत्ता के मद में चूर कई राजनीतिक दिग्गजों की तरह, उन्होंने अपनी भूख और अहंकार को खुद पर हावी होने दिया। वे जादुई वादे लेकर आए और तबाही मचा दी।

हालाँकि, बिहार का विनाश लालू यादव की अकेले की उपलब्धि नहीं थी। उस समय उनके सामने बदमाशों और निकम्मों की एक पूरी जमात बारी-बारी से आई थी। लेकिन अगर लालू को 1990 में विरासत में अव्यवस्था मिली, तो उन्होंने उसमें और भी अराजकता फैलाई, जैसे भूकंप के बाद आई तबाही पर कोई बवंडर आकर अवशेषों को तहस-नहस कर दिया। अगर इतिहास उन्हें असाधारण रूप से विनाशकारी मानेगा, तो शायद इसलिए भी कि वे इतने लंबे समय 15साल तक इस पद पर रहे। निजी तौर पर, उन्होंने इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए कि अंततः उन्हें चुनावों और सार्वजनिक पदों से बेदखल होना पड़ा।

फिर भी, वे अब भी एक ताकतवर व्यक्ति हैं, एक ऐसे व्यक्ति जो अभी भी एक बड़े समर्थक वर्ग का समर्थन हासिल कर सकते हैं। लालू ने शोषित बंचित समाज हरिजन, दलितों, निम्न जाति के लोगों, पिछड़ा वर्गों और अल्पसंख्यको के उद्धारकर्ता-मसीहा के रूप में शुरुआत की थी, जो आज भी जाति पाती के बंधन में बंधा है जिससे अभी तक क़ोई भी एक दल अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती 1990 के दशक की शुरुआत में शासन हुआ और उनके चारों ओर उनके ही परिवारों की भीड़ उमड़ती रहीं, जब तक कि उन्होंने अपने दायित्वों से हटकर खुद को सत्ता के महल में कैद कर लिया, उसी 1 अणे मार्ग में, जिसके बारे में उन्हें लगने लगा था कि अब वे हमेशा के लिए उनके पास ही रहेंगे।

पटना में अणे मार्ग बिहार के मुख्यमंत्री का आधिकारिक निवास है। इसका नाम महाराष्ट्र में जन्मे राजनेता माधव श्रीहरि अणे के नाम पर रखा गया है, लेकिन 2005 में खेल पलटा और नीतीश कुमार मुख्य मंत्री बने जो जेडीयू के पार्टी से थे जो समता पार्टी जो जेडीयू बनी जो

एनडीए का एक घटक था और बीजेपी उसके साथ थी और बड़े और छोटे दल के रूप में उभरा यानी अब बीजेपी बिहार में अपनी जनाधार बनाई और उप मुख्य मंत्री के तौर पर स्व सुशील मोदी उप मुख्य मंत्री बने।

जब जीत नीतीश कुमार के हाथ लगी, तो नीतीश को बस लालू की बनाई हुई चीज़, पिछड़ों, दलितों और मुसलमानों का अजेय गणित, छीनना था। आज नीतीश जिस वोट को अपना मानते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा-जनता दल (यूनाइटेड) का वोट, जिसमें से भाजपा का सवर्ण वोट दिया गया है-वही जनता दल (यूनाइटेड) का वोट लालू ने सबसे पहले हासिल किया था।

नीतीश ने बिहार में विकास के काम पर फोकस किया और फिर चोरी, डकैती, अपहरण, लूट पाट गन्दे फिल्मों का पोस्टर और खुलेआम फिल्मों में गन्दी फ़िल्में खुलेआम नौजवानों ने देखी है और इसी क्रम में एलीफिस्टन सिनेमा में छापा पड़ा और बन्द हो गई लेकिन अन्य हौलो में ब्लू फ़िल्म। नीतीश ने लालू के सशक्तिकरण के बीज में छिपे विरोधाभासों को छुआ, लोकलुभावनवाद का गला घोंटा और शासन के गुणसूत्र को गति दी।

जहाँ लालू मंच से सिर्फ़ दिखावा करने में ही खुश थे, वहीं नीतीश ने खुद को उस काम में झोंक दिया जो हाथ में था। 2005 से 2013 के बीच बिहार के उच्च वार्षिक विकास दर के आँकड़ों से बेहतर इसका कोई उदाहरण नहीं है। नीतीश ने बिहार में लंबे समय से लंबित सुधार लाए। बहुत लंबे समय से, बिहार एक राष्ट्रीय श्तर पर स्वीकृत रूपक बना हुआ है, एक नाले के गर्त में डूबा बिहारः नक्शे से गायब, पूरी तरह से खोया हुआ।

इसकी कड़वाहट महसूस करने के लिए आपको बिहारी होना होगा-एक ऐसी पहचान जो उपहास का रूपक है। बिहार पहले भी इस दौड़ में था जब 1970 के दशक की शुरुआत में लंदन के द टाइम्स में ट्रेवर फिशलॉक द्वारा बिहार पर लिखी गई एक रिपोर्ट की अमिट याद है। उन्होंने राज्य को भारत का नाला कहा था।

लेकिन उस समय बिहार में प्रशासन कड़ा था अपहरण, लूट हत्या आदि नहीं था लेकिन संसाधनों की कमी थी गावों में शिक्षा, पानी बिजली, और सड़क नहीं बना था लेकिन शहरों में स्थिति सामान्य थी बहुत लंबे समय से, बिहार तमाम तरह की भारतीय बुराइयों का प्रतीक रहा है-असमानता और बीमारी, कुप्रशासन, संस्थागत पतन, सामंतवाद, जातिवाद, बेलगाम अपराध, सर्वव्यापी भ्रष्टाचार, राजनीतिक फिजूलखर्ची, सार्वजनिक निराशावाद। अगर आपको भारत की सबसे बुरी हालत का एक सरसरी साक्षात्कारर करना हो, तो आप बिहार की सैर कर सकते हैं। भारतीय और विदेशी पत्रकारों की पीढ़ियां, भारत की स्थिति पर अपनी रिपोर्टों को इसकी स्पष्ट अक्षमताओं से सजाने के लिए बिहार आती रहीं। 2005 में शुरू हुए नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री के रूप में पहले कार्यकाल के मध्य में, यह धीरे-धीरे बदलने लगा।

सत्ता में अपने पहले वर्ष के बाद कई टेलीविजन चैनलों, अखबारों और समाज प्रहरी ने उन्हें वर्ष का राजनेता घोषित किया;, जब तक कि यह एक सामान्य बात नहीं लगने लगी। द इकोनॉमिस्ट, जिसने कभी बिहार को भारत का बगल कहा था, ने एक रिपोर्ट में नीतीश के कुशल नेतृत्व की सराहना की। शीर्षक में कहा गया थाः बिहारी ज्ञानोदयः भारत का सबसे कुख्यात राज्य अपनी प्रतिष्ठा पर खरा उतरने में विफल हो रहा है।

इससे फिशलॉक के तीन दशक पहले दिए गए, हालांकि बहुत ही उपयुक्त, कठोर फैसले जैसे शराब बंदी, महिलाओ को शिक्षा देना प्रशासन को अपराध से निपटने हेतु कड़ा निर्णय से बिहार में भय का माहौल ख़त्म होने लगा और अपराध कम हुआ और चोरी डकैती ख़त्म हुआ रोड और पुलों का बड़े पैमाने पर निर्माण हुआ शिक्षा में चोरी ख़त्म हुई और सेसन में चल रहे देरी को पटरी पर लाया गया इसलिए नीतीश कुमार उसके बाद हर बार विजयी हुए बिहार पर सबकी नज़र रहेगी, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि यह लोकसभा में 29 सीटें लाता है लोकसभा चुनाव में भाजपा-जदयू ने 12-12, लोजपा ने पांच और हम ने अपने हिस्से की इकलौती सीट पर जीत हासिल की थी।

इस पर भी सबकी नज़र रहेगी कि नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री बने रहना चाहिए इसमें बिहार की भलाई है जो बीजेपी के हित में ही है प्रधानमंत्री श्री मोदीजी राष्ट्रीय परिदृश्य पर उभरे व बिहार में नीतीश कुमार दो सबसे प्रभावशाली राजनीतिक चेहरे हैं, जो अगर साथ साथ कदम मिलाकर चले तो बिहार अब देश को एक मजबूत ताकत देगा क्योंकि बिहार में कृषि, संसाधनों और पानी, प्रतिभा की कमी नहीं है जो बाहर हैं वो सब लौट आयेंगे और एक मजबूत और सशक़्त बिहार बनाएंगे अगर गलती से महागठबंधन की सरकार बनी तो बिहार में भय का माहौल होगा।

अराजकता फैलेगी क्योंकि जंगल राज में वही लोग फिर आएंगे पहले मेरे घर में 12 लाख सोने की चोरी हो गई अब सीसीटीवी लगा है चोर पकड़ा जाता है पहले दुकान में सरेआम चोरी होती थी व्यापारी माफियाओ का शिकार था अब बन्द है दुकान से चोरी सीसीटीवी से पकड़ी जाती है और जेल हो जाता है महिलाओ को क़ोई टोक नहीं सकता है।

अतः धैर्य से काम ले बिहार तेजी से नीतीश के राज में दौड़ रहा है और वही मुख्य मंत्री रहें तभी बिहार की भलाई है क्योंकि यहाँ एनडीए में क़ोई दूसरा चेहरा नहीं है बीजेपी पहले अपने बल पर नहीं सरकार बना सकी अतः भलाई इसी में हैं कि एक मत से नीतीश कुमार को बिहार का अगला मुख्य मंत्री बने।

बिहार में भाजपाई रणनीति : डॉ. मोहन यादव के जरिए 'यादवों को' साधने की कोशिश

पवन वर्मा

भारतीय राजनीति में चुनावी रणनीतियाँ अक्सर सामाजिक समीकरणों और जनभावनाओं के इर्द-गिर्द बुनी जाती हैं। बिहार, जिसकी राजनीति हमेशा से ही जातीय आधार पर निर्धारित होती रही है, वहां आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अनेक दिलचस्प प्रयोग देखने को मिल रहे हैं। इस चुनावी अखाड़े में ऐसा ही एक नया राजनीतिक प्रयोग हुआ है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रुप में।

भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें अपने प्रचार अभियान का केंद्रीय चेहरा बनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह बिहार में यादव समाज की राजनीतिक नब्ज को छूने की हरसंभव कोशिश करेगी। इस नई भूमिका में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बिहार की राजनीति में पूरी तरह सक्रिय हैं।

भाजपा ने उन्हें केवल एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि यादव समाज से आने वाले उस जननेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जिन्होंने संगठन के श्तर से संघर्ष करते हुए सत्ता के शीर्ष तक का सफर तय किया। बिहार के उस राजनीतिक भूगोल में, जहां यादव समाज का एक बड़ा और निर्णायक मतदाता वर्ग मौजूद है, वहां डॉ. यादव की भूमिका भाजपा के लिए लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्रों को चुनौती देने वाली मानी जा रही है।

डॉ.यादव पिछले लगभग दो वर्षों से बिहार में लगातार सक्रिय हैं। श्रीकृष्ण चेतना विचार मंच के आयोजनों में उनकी सहभागिता रही है, जिससे वे सांस्कृतिक और वैचारिक रूप से भी इस भूमि से जुड़े रहे हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने बिहार के सामाजिक आयोजनों में अपनी उपस्थिति बनाए रखी, जिससे उनकी पहचान केवल एक बाहरी 'प्रचारक' के रूप में नहीं, बल्कि 'समाज से जुड़े प्रतिनिधि' के रूप में बनी। भाजपा के इस जातीय गणित की नई पटकथा बिहार की राजनीति में यादव समुदाय की विशाल सहभागिता से जुड़ी हुई है। यहां यादव समाज लम्बे समय से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ जुड़ा हुआ है।

लालू प्रसाद यादव और बाद में तेजस्वी यादव इस समुदाय के सबसे प्रमुख और प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। ऐसे में भाजपा के लिए इस समुदाय को प्रभावित करना और उन्हें अपने पक्ष में लाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। इन परिस्थितियों में मोहन यादव का चेहरा भाजपा के लिए इस मायने में संजीवनी है कि वे स्वयं 'यादव' समाज से आते हैं। वे एक ऐसे नेता भी हैं जिनकी राजनीतिक यात्रा परिवारवाद से मुक्त रही है। यही संदेश वे बिहार की जनसभाओं में बार-बार दोहरा रहे हैं। वे अपनी सभाओं में बार बार कहते हैं कि भाजपा उन कार्यकर्ताओं को सम्मान देती है जो अपने परिश्रम से आगे बढ़े हों, न कि राजनीतिक वंशवाद के सहारे।

इस तर्क के माध्यम से भाजपा और मोहन यादव दोनों ही सीधे सीधे तेजस्वी यादव पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार में यादव मतदाता का समीकरण

बिहार की लगभग 60 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां यादव मतदाता निर्णायक स्थिति में हैं। इनमें से कई क्षेत्र सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, दरभंगा, पूर्णिया, बक्सर और सिवान जैसे जिलों में आते हैं। इन इलाकों में भाजपा लंबे समय से अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर पाई है। अब इन इलाकों में डॉ. मोहन यादव अपनी जीवन यात्रा और एक सामान्य परिवार से मुख्यमंत्री बनने की कहानी साझा करते हैं। वे इसे यादव समुदाय के आत्मसम्मान और पहचान की भावना से जोड़ते हुए राजनीतिक दिशा देने का प्रयास करते हैं।

बिहार कनेक्शन के सांस्कृतिक सूत्र

डॉ. मोहन यादव श्रीकृष्ण चेतना विचार मंच और अखिल भारतीय यादव महासभा जैसे मंचों से बिहार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन से पहले से ही जुड़े रहे हैं।

बिहार के लोग, विशेषकर यादव समाज, भगवान श्रीकृष्ण को अपनी परंपरा व पहचान के केंद्र में रखते हैं। ऐसे में 'श्रीकृष्ण के आदर्शों पर आधारित समाज निर्माण' का संदेश डॉ. यादव की सभाओं का मुख्य विषय है। पिछले महीने आयोजित जन समरस सांस्कृतिक सम्मेलन में उनकी उपस्थिति ने भी संकेत दिया था कि भाजपा केवल राजनीतिक मंचों के सहारे ही नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक श्तर पर भी अपने प्रसार की योजना बना रही है और डॉ. यादव भाजपा के 'संस्कृति और विकास' दोनों सूत्रों को जोड़ने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

सामाजिक और राजनीतिक संकेत

राजनीति में प्रतीक और चेहरों की अहमियत हमेशा बनी रहती है। भाजपा के लिए डॉ. मोहन यादव एक ऐसे प्रतीक हैं जो कई श्तरों पर लाभ देते है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं, दूसरा, वे एक शिक्षित, सुसंस्कृत और वैचारिक रूप से परिपक्व नेता हैं, जो भाजपा के वैचारिक चेहरे को भी सशक्त बनाते हैं।

तीसरा, वे किसी बड़े राजनीतिक परिवार से नहीं आते, जिससे उन्हें जनता के बीच 'स्वाभाविक प्रतिनिधि' का दर्जा दिया जा रहा है। भाजपा की चुनावी मशीनरी जानती है कि बिहार में यादव मतदाता को पूरी तरह अपने पाले में लाना मुश्किल है, लेकिन उसका एक हिस्सा भी यदि भाजपा की ओर आ जाता है तो कई सीटों पर निर्णायक बढ़त बनाई जा सकती है। इसी उद्देश्य से डॉ. यादव को उन क्षेत्रों में भेजा जा रहा है जहां यादव मतदाता ज्यादा हैं। कुम्हरार, बिक्रम, सहरसा, बगहा और सिकटा जैसे यादव बहुल इलाकों में वे जबर्दश्त प्रचार कर रहे हैं।

भाजपा की यह रणनीति केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि एनडीए गठबंधन की समग्र रणनीति पर लागू दिख रही है। डॉ. मोहन यादव की सभाओं में भाजपा के साथ-साथ एनडीए प्रत्याशियों का भी प्रचार किया जा रहा है। इससे यह संदेश भी जा रहा है कि बिहार में एनडीए इस बार जातीय राजनीति को पुनर्परिभाषित करने के प्रयास में है। तेजस्वी यादव जब राजद-कांग्रेस गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरा बने, तब भाजपा को भी एक वैचारिक 'काउंटर फिगर' की जरूरत थी।

डॉ. मोहन यादव इस खाली स्थान को भरते हुए दिख रहे हैं। उनके भाषणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों की प्रशंसा के साथ यह भी बार-बार दोहराया जाता है कि भाजपा में अवसर जाति से नहीं, कर्म से तय होता है। राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि में यह कदम भाजपा के लिए दोहरे लाभ वाला हो सकता है।

पहला तो इससे यादव समुदाय में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ सकती है, जो अब तक सीमित थी। दूसरा, इससे भाजपा उस तटस्थ यादव मतदाता को अपने साथ जोड़ सकती है जो परंपरागत रूप से राजद के साथ तो है, लेकिन फिर भी बदलाव चाहता है। हालांकि इस रणनीति की सफलता चुनाव परिणामों पर निर्भर करेगी, फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि भाजपा ने इस बार बिहार में जाति आधारित प्रचार में एक नया प्रयोग शुरू किया है।

डॉ. मोहन यादव की सभाओं में अपेक्षा से अधिक भीड़ और उत्साह देखा जा रहा है। कई स्थानों पर स्थानीय यादव समुदाय के प्रभावशाली सदस्य भाजपा के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे हैं। यह संवाद और संपर्क भाजपा के लिए दीर्घकालिक लाभ का संकेत है। डॉ. यादव अपने भाषणों में बिहार की धरती को 'संघर्ष और संस्कार की भूमि' बताकर उसमें अपना आत्मीय संबंध स्थापित करते हैं।

उनकी शैली मृदुभाषी किन्तु सारगर्भित है। वे तथ्यों और आंकड़ों की बजाय प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से लोगों के हृदय को छूने का प्रयास करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बन गई है। बिहार में यादव समाज के भीतर 'भाजपा समर्थक यादव' की नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश की जा रही है। डॉ. मोहन यादव के माध्यम से पार्टी यह दिखाना चाहती है कि भाजपा सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर भी अब पीछे नहीं है। यह संदेश राज्य के राजनीतिक ध्रुवीकरण को बदल सकता है। भाजपा की रणनीति साफ़ है। इसमें डॉ. मोहन यादव की भूमिका न केवल प्रचारक की है, बल्कि वे एक ऐसे चेहरे के रूप में उभरे हैं जो बिहार में भाजपा की विचारधारा का 'जन-संस्करण' प्रस्तुत कर रहे हैं। बिहार की राजनीति इस समय एक दिलचस्प मोड़ पर है। तेजस्वी यादव युवा नेतृत्व के प्रतीक बनकर उभरे हैं, तो वहीं भाजपा उनका मुकाबला करने के लिए डॉ. मोहन यादव जैसे 'संगठन-निर्मित नेता' को सामने लायी है। यह केवल दो व्यक्तित्वों का सामना नहीं, बल्कि दो राजनीतिक विचारधाराओं, वंशवाद बनाम संगठनवाद का टकराव भी है।

यदि आगामी चुनावों में भाजपा अपनी रणनीति को जमीनी श्तर पर सफलतापूर्वक लागू कर लेती है, तो डॉ. मोहन यादव का यह अभियान बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय प्रारंभ कर सकता है। बिहार की चुनावी जमीन पर अब लोकतांत्रिक प्रयोगों का यह दौर देखने योग्य होगा जहां मध्य प्रदेश के एक मुख्यमंत्री, बिहार के यादव समाज के बीच एक नए भरोसे का पुल बनाते दिखाई दे रहे हैं।

'रेवड़ी संस्कृति' : लोकतंत्र का आधार या प्रलोभन की डगर?

ललित गर्ग

बिहार की राजनीति एक बार फिर चुनावी रंग में रंग चुकी है। हर चुनावी सभा में, गली-मोहल्ले से लेकर सोशल मीडिया तक मुफ्त रेवडियों की घोषणाओं और वादों की बाढ़ आई हुई है। यह चुनावी मौसम पहले की तरह इस बार भी 'रेवड़ी संस्कृति' से सराबोर दिखाई देता है।

महागठबंधन हो या एनडीए-दोनों गठबंधन एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में ऐसे-ऐसे वादे कर रहे हैं जो सुनने में आकर्षक लगते हैं, पर उनकी व्यवहारिकता और आर्थिक सम्भावना पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। ये चुनावी वादें कैसे पूरे होंगे या जनता के साथ विश्वासघात होगा?

हर दल मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा रहा है, लेकिन शायद ही किसी ने यह सोचा हो कि इन लोकलुभावन योजनाओं के लिए फंड कहां से आएगा, कैसे उनकी पूर्ति होगी और क्या यह राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति पर और बोझ नहीं बनेगा।

बिहार का यह चुनाव इसलिए खास नहीं है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है-यह खास इसलिये है क्योंकि दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीति चल रही है-लोकलुभावन घोषणाओं की। महागठबंधन ने दो दिन पहले 'तेजस्वी - संकल्प' घोषित किया। कांग्रेस, आरजेडी और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए हैं, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है। दूसरी ओर एनडीए के वादों की लिस्ट भी बेहद लंबी है।

शुरुआत में नीतीश सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरियों का वादा, महिलाओं को नौकरी में आरक्षण, बढ़ी पेंशन-नीतीश ने चुनावी अभियान इस तरह शुरू किया।

महागठबंधन ने जवाब में 200 यूनिट फ्री बिजली, हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार, और भी बहुत कुछ देने का वादा किया है। दोनों की गठबंधन की आसमानी घोषणाएं लुभा रही है, जनता को गुमराह कर रही है, सीधे-सीधे रूप में यह वोटों को खरीदने की साजिश है। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि देश की जनसंख्या में बिहार का हिस्सा 9 प्रतिशत से ज्यादा है, पर जीडीपी में योगदान 2021-22 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया।

बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय का केवल 30 प्रतिशत है, जबकि बेरोजगारी ज्यादा है। 2022-23 में राज्य की जीडीपी की तुलना में ऋण का अनुपात 39.6 प्रतिशत था।

बिहार के सामने सबसे बड़ी समस्या है आय के साधन जुटाने की। कुल कमाई में उसका अपना टैक्स रेवेन्यू केवल 23 प्रतिशत है और केंद्र की तरफ से अनुदान का हिस्सा 21 प्रतिशत। जन सुराज का दावा है कि मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने के लिए 33 हजार करोड़ चाहिए होंगे।

इस आंकड़े को सच मान लें तो राज्य के कुल बजट में से रोजमर्रा के कामकाज व योजनाओं का खर्च निकालने के बाद करीब 40 हजार करोड़ रुपये बचते हैं। क्या मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाओं के वादा इससे पूरे होंगे? एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि हकीकत में दोनों को बताना चाहिए कि वे किस तरह इन वादों को पूरा करेंगे। बेरोजगारों को भत्ता, महिलाओं को नकद सहायता, युवाओं को लैपटॉप, किसानों के लिए ऋणमाफी-इन घोषणाओं की बाढ़ ने लोकतंत्र को मजबूती देने के बजाय उसे लोकलुभावन जाल में फंसा दिया है। यह स्थिति केवल बिहार की नहीं, पूरे देश की राजनीति में एक नई प्रवृत्ति के रूप में उभर रही है, जहां सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने का राश्ता जनता की विवेकशीलता से नहीं, बल्कि प्रलोभनों की मिठास से तय किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं, क्योंकि यह मतदाता को उपभोक्ता में बदल देती है और राजनीति को नीति से भटकाकर लाभ की गणित में फंसा देती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कही गई 'रेवड़ी संस्कृति' की अवधारणा आज बिहार की राजनीति में पूर्णरूपेण साकार होती दिख रही है। मुफ्त बिजली, राशन, यात्रा या सहायता योजनाएं अब चुनावी घोषणाओं की अनिवार्य शर्त बन गई हैं।

जनकल्याण का उद्देश्य पीछे छूट गया है, सामने है तो केवल वोटों की गिनती। इन घोषणाओं के माध्यम से मतदाता को प्रभावित करना एक तरह का सॉफ्ट करप्शन है, जहां खरीदी खुलकर नहीं होती, पर मानसिक रूप से मतदाता को बंधक बना लिया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है, क्योंकि यह नीतियों और सिद्धांतों को कमजोर करती है और राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का खेल बना देती है।

लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब चुनाव नैतिक और नीति-सम्मत हों। चुनाव का अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि समाज के चरित्र और दिशा का निर्धारण है।

नैतिक राजनीति वही है जिसमें जनहित को सर्वोपरि माना जाए, न कि तत्कालिक लाभ को। यदि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में केवल आकर्षक वादे ही भरते जाएं और उनके पीछे कोई आर्थिक या सामाजिक दृष्टि न हो, तो यह लोकतंत्र की आत्मा के साथ खिलवाड़ है। मतदाता को चाहिए कि वह ऐसी घोषणाओं से प्रभावित न हो, बल्कि यह देखे कि कौन-सी पार्टी या नेता दीर्घकालिक सुधार, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुशासन की बात कर रहा है। लोकतंत्र उपहार नहीं, उत्तरदायित्व है, इसे समझना और निभाना नागरिक का धर्म है। वोट किसी के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की स्थिरता, सुशासन और सच्चे विकास के लिए दिया जाना चाहिए। मतदाता का विवेक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। अगर जनता भावनाओं या लालच में निर्णय लेगी, तो राजनीति और शासन दोनों भ्रष्ट हो जाएंगे।

इसी तरह दलों को भी आत्मसंयम रखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि सत्ता की प्राप्ति साधन नहीं, सेवा का अवसर है। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि चुनावी घोषणाओं पर एक नियंत्रण तंत्र बने, चुनाव आयोग और नीति आयोग मिलकर इस पर नियम तय करें कि कोई भी दल अपने घोषणापत्र में ऐसे वादे न करे जिनका कोई आर्थिक आधार न हो। मीडिया को भी केवल वादों को प्रचारित करने में नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। जनता के बीच मतदाता शिक्षण अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग यह समझ सकें कि वोट किसी प्रलोभन का प्रत्युत्तर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

वैसे तो दोनों ही गठबंधन एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं। भाजपा-जद(यू) गठबंधन तेजस्वी की छवि को एक गैर जिम्मेदार सपने बेचने वाले नेता के रूप में गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। जाहिर है कि जब तक वादों को ठोस नीति में नहीं बदला जाएगा, वे केवल भाषणों की सजावट बने रहेंगे। महागठबंधन को चाहिए कि वह अपने घोषणापत्र को भावनात्मक अपील की बजाय आर्थिक व्यवहार्यता के साथ तैयार करे। यही रणनीति जनता में भरोसा जगाएगी और विपक्ष के हमलों को कमजोर करेगी।

तेजस्वी यादव का करिश्मा, संवाद शैली और युवाओं से जुड़ाव उन्हें बिहार की राजनीति में एक बड़ा चेहरा बनाते हैं लेकिन उनकी पूरी चुनावी रणनीति धुआंधार वादों के इर्द-गिर्द घूम रही है। राजनीति में कोई भी वादा तब ताकत बनता है जब उसमें विश्वसनीयता, यथार्थता और क्रियान्वयन की संभावना हो।

लोकतंत्र की पवित्रता तभी बचेगी जब राजनीति नीति से संचालित होगी, जब सत्ता सेवा का माध्यम बनेगी और जब मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेगा। बिहार जैसे प्रबुद्ध राज्य को चाहिए कि वह रेवड़ी संस्कृति से ऊपर उठकर विकास, रोजगार, शिक्षा, नैतिकता और सुशासन पर आधारित राजनीति का चयन करे। तभी लोकतंत्र अपने वाश्तविक अर्थ में जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सकेंगी-"हमने वोट से अपना भविष्य खरीदा नहीं, बनाया है।"

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

विदेश में 3500 से 4500 डॉलर में बिकते हैं भारतीय युवा

आगरा , एजेंसी। कंबोडिया के शहर फ्नोम पेन्ह और पोइपेट चीनी साइबर ठगों के लिए सबसे मुफीद हैं। इन शहरों में आलीशन ऑफिस में साइबर ठगी के कॉल सेंटर संचालित हो रहे हैं। चीनी साइबर ठग भारत सहित पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल आदि के बेरोजगार युवाओं को नौकरी देकर लोगों को कॉल कराते हैं। इसके बाद ठगी की रकम अपने खातों में जमा करा लेते हैं। हर महीने करोड़ों की कमाई कर युवाओं को बदल दिया जाता है। फिर से नए युवकों को बुलाकर डिजिटल अरेस्ट, शेयर ट्रेडिंग और हनी ट्रैप आदि जैसे साइबर क्राइम कराए जाते हैं। पुलिस को दो आरोपियों से पूछताछ में यह जानकारी हाथ लगी है। गिरोह के पकड़े जाने के बाद और भी पीड़ित पुलिस से संपर्क कर जानकारी दे रहे हैं। साइबर सेल और साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मंगलवार को गिरोह का खुलासा किया था। बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर कंबोडिया, वियतनाम, सिंगापुर, बैंकाक और लाओस भेजने वाले गिरोह के दो सदस्य पकड़े थे। इनमें उन्नाव निवासी आतिफ खान और इंदौर का अजय कुमार शुक्ला शामिल थे। इनमें अजय को कोर्ट के आदेश पर जेल भेजा गया है। आतिफ को रिमांड पर लिया गया है। वहीं तीसरे आरोपी आमिर खान को रत्नागिरी, महाराष्ट्र से पुलिस पकड़कर लाई है। उससे भी पूछताछ की जा रही है। साइबर सेल के सूत्रों के मुताबिक, चीनी नागरिक साइबर ठगी का नेटवर्क चला रहे हैं। उनके एजेंट अलग-अलग देशों में फैले हुए हैं। यह एजेंट युवकों को 50 हजार से एक लाख रुपये महीने तक की नौकरी विदेश में लगवाने का झांसा देते हैं। उनसे रकम ली जाती है। इसके बाद विदेश में साइबर ठगों को बेच देते हैं। कंबोडिया के फ्नोम पेन्ह और पोइपेट शहर में साइबर ठगों ने अपने ऑफिस बना रखे हैं। इनमें सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। एक कंपनी में 10 टावर और 10 फ्लैट होते हैं। इनमें ही कार्यालय होता है। आवास की भी व्यवस्था होती है। जिन युवाओं को लाया जाता है, उनसे डिजिटल अरेस्ट, शेयर ट्रेडिंग, हनी ट्रैप जैसे साइबर अपराध कराए जाते हैं। गिरोह के पकड़े जाने के बाद आगरा पुलिस से अन्य शहरों के ठगी के शिकार युवा संपर्क कर रहे हैं। साथ ही बता रहे हैं किऔर कितने एजेंट भारत में सक्रिय हैं। एडीसीपी आदित्य सिंह ने बताया कि गिरोह के बारे में सभी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास भी किए जा रहे हैं। एडीसीपी आदित्य सिंह ने बताया कि आरोपी आतिफ से पूछताछ में कई जानकारी हाथ लगी हैं। उसके मोबाइल और लैपटॉप को भी चेक किया गया।

आलू के बीज वितरण में धांधली...किसानों ने आगरा-अलीगढ़ हाईवे किया जाम, आधा घंटे तक चलता रहा हंगामा

आगरा , एजेंसी। आलू और सब्जी के सरकारी बीज वितरण में हो रही धांधली के विरोध में बृहस्पतिवार को किसान सड़क पर उतर आए। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर ट्रैक्टर खड़े कर जाम लगा दिया। हाईवे की दोनों लेन पर 30 मिनट तक चले हंगामे से तीन किमी. तक वाहनों की कतारें लग गईं। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। मौके पर पुलिस के साथ पहुंचे अधिकारियों ने किसानों को समझाकर हाईवे से हटाया। हालांकि, रात तक किसानों का प्रकाश कोल्ड स्टोर पर हंगामा चलता रहा। किसानों ने आरोप लगाया कि 50 किलो के कट्टे में 45 किलो बीज निकल रहा है और उसमें 10 किलो सड़ा है। किसानों ने प्रमाणित बीज वितरण में घोटाले के आरोप लगाए। खंदौली थाना क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ हाईवे स्थित प्रकाश कोल्ड स्टोर पर सुबह 10 बजे किसान बीज लेने पहुंचे थे। मौके पर उद्यान विभाग का कोई अधिकारी नहीं था। किसानों ने अधिकारियों-कर्मचारियों को फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। दोपहर 12 बजे तक सैकड़ों किसान जुट गए। इसके बाद नाराज किसानों ने करीब एक बजे आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर ट्रैक्टर खड़े कर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और किसानों को समझाकर करीब 30 मिनट में जाम खुलवा दिया। इसके बाद किसान कोल्ड स्टोर के बाहर पहुंचकर हंगामा करने लगे।मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट वेद सिंह चौहान भी पहुंच गए। करीब दो घंटे तक किसानों को मनाया, लेकिन किसान सड़ा हुआ बीज लेने के लिए तैयार नहीं थे। किसानों का रात आठ बजे तक विरोध जारी रहा। किसानों ने बताया कि जिले में आठ हजार क्विंटल आलू के बीज की जरूरत है।

सीएम योगी ने रन फॉर यूनिटी को दिखाई झंडी

बोले- राष्ट्र की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है किशिवो भूत्वा शिवं यजेत, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।

563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का किया निर्माण: मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

उत्तर प्रदेश से केवड़िया जाएगा सांस्कृतिक दल: मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल महोदया के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी अभियान' को मज़बूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है।

हम सब मिलकर भारत की अखंडता को सशक्त बनाएं

मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि हमें उन सभी कुत्सित प्रयासों का विरोध करना चाहिए जो जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने का काम करते हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस का यही संदेश है कि हम सब मिलकर भारत की अखंडता को सशक्त बनाएं और सामाजिक एकता को मजबूत करें।

राष्ट्र को कमजोर करने वालों का विरोध करें

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें हर उस शक्ति का विरोध करना चाहिए जो राष्ट्र की एकता को कमजोर करने का प्रयास करती है।

संकल्पना की सिद्धि हेतु सदैव प्रेरित करते रहेंगे

इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर भी प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं और भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रदेश वासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक बधाई। भारत की आंतरिक सुरक्षा और अखण्डता हेतु सरदार साहब द्वारा किए गए अथक प्रयास हमें एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना की सिद्धि हेतु सदैव प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल एवं विधायक गण उपस्थित रहे।

रन फॉर यूनिटी के लिए दौड़े तीन हजार लोग, ट्रॉमा सेंटर से डॉक्टरों ने निकाला मार्च

वाराणसी , एजेंसी। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शुक्रवार को आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में एक साथ 3 हजार लोग दौड़े। इस क्रम में बीएचयू ट्रामा सेंटर से सुबह 6 बजे रन फॉर यूनिटी मार्च निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हुए। ट्रामा सेंटर प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह ने बताया कि इसके लिए सभी स्टाफ को आमंत्रित किया गया था। बीएचयू ट्रामा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी प्रोफेसर सौरभ सिंह ने डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ सहित अन्य कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने की दिशा में कार्य करते रहने की शपथ दिलाई। कहा कि जिस तरह से राष्ट्र निर्माण में एकता और अनुशासन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं में भी इन मूल्यों का पालन करना जरूरी होता है। रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन और भाजपा की ओर से तैयारी पूरी कर ली गई थी। एक दिन पहले बृहस्पतिवार को पार्टी पदाधिकारियों ने घर-घर जाकर लोगों को न्योता बांटा था। मार्च का शुभारंभ सुबह 7 बजे मलदहिया चौराहे पर सरदार पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण करके किया गया। इसके बाद 3 किमी की दूरी तय करते हुए संपूर्णानंद स्टेडियम पर इसका समापन किया गया। भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में टी-शर्ट और पैंट पहनकर भाग लेने की अपील की थी ताकि दौड़ का दृश्य एकरूप और अनुशासित दिखे। जिला प्रशासन के ओर से भी यूनिटी मार्च को सफल बनाने के लिए एक दिन पहले दिनभर तैयारी चलती रही। प्रशासन के ओर से बड़ी संख्या में लोगों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

वीडियो कॉल पर भयानक स्कैम...

दो दिन में जहन्नुम बन गई डेयरी संचालक दंपती की जिंदगी, गंवा बैठे 59 लाख रुपये

आगरा , एजेंसी। साइबर अपराधियों ने पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर बुजुर्ग दंपती को डिजिटल अरेस्ट कर 59 लाख रुपये की ठगी कर ली। उन पर अवैध धन प्राप्त करने के आरोप लगाए। जांच में सहयोग नहीं करने पर कार्रवाई का भय दिखाते हुए जेल भेजने की धमकी दी। युवक और युवती ने दो दिन तक वीडियो कॉल पर बात करके रकम दो खातों में जमा करा ली। बाद में ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुटी है।

दयाल अपार्टमेंट, एलोरा एन्क्लेव निवासी अशोक कुमार ने बताया कि वह डेयरी चलाते हैं। 13 अक्तूबर को पत्नी माधुरी के मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने अपना नाम प्रदीप सावंत बताया। कहा कि वह मुंबई के थाना कोलाबा का अधिकारी है। कहा कि आपके नंबर पर 20-20 एफआईआर दर्ज हैं। आपको 7 करोड़ रुपये का अवैध धन प्राप्त हुआ है। उसने धमकाने के बाद फोन काट दिया। बाद में रश्मि शुक्ला नाम लेकर एक युवती ने वीडियो कॉल किया। उसने खुद को सीबीआई की जांच विंग से बताया। कहा कि आपको जितना भी धन मिला है, यह जांच पूरी होने तक आरबीआई में जमा करना होगा। यह बाद में रकम वापस मिल जाएगी।

उन्होंने कहा कि आपके खिलाफ केस दर्ज हो गए हैं। जल्द ही जेल भेज दिया जाएगा। जेल जाने से बचना है तो जांच में सहयोग करो। घर से कहीं निकलकर नहीं जाएं। इस जांच के बारे में किसी को भी नहीं बताएं। हम लोग जैसा बता रहे हैं, वैसा करें। पुलिस को बताया तो सीबीआई कार्रवाई करेगी। इससे पति-पत्नी घबरा गए। वह समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर क्या करें। उन्हें बार-बार कॉल करके धमकाया जाने लगा। डरकर दंपती ने 14 अक्तूबर को 25 लाख रुपये बंधन बैंक के खाते में और 15 अक्तूबर को 34 लाख रुपये बैंक ऑफ बड़ौदा के खातों में स्थानांतरित कर दिए। इसके बावजूद आरोपी रकम की मांग करते रहे। उनसे कई बार में कुल 59 लाख रुपये जमा करा लिए गए। एडीसीपी सिटी आदित्य सिंह ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। जिन नंबरों से कॉल किया गया और जिन खातों में रकम जमा की गई, उनकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस नहीं करती डिजिटल अरेस्ट: एडीसीपी आदित्य सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट नाम की कोई चीज नहीं होती है। पुलिस कभी किसी को डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। अगर कोई व्यक्ति वायस कॉल या वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट करने के बारे में बताता है तो समझ जाएं ठगी होने वाली है।

शराब पीने वालों पर पुलिस की है नजर, आगरा में 380 लोगों का हुआ चालान

आगरा , एजेंसी। आगरा के नगला बूढ़ी (थाना न्यू आगरा) में नशे में कार दौड़ाने से पांच लोगों की जान गई थी। लोगों ने शराब के ठेके को ही हादसे की वजह माना था। इसका असर यह हुआ कि पुलिस ने मंगलवार और बुधवार को विशेष अभियान चलाकर 380 लोगों को पकड़ा। 15 वाहन सीज किए।

डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि नियमानुसार ठेके के बाहर शराब नहीं पिलाई जा सकती है। इस तरह लोगों के शराब पीने पर रोक है। इसके अलावा वाहन चलाने पर भी पुलिस कार्रवाई कर सकती है। दो दिन में पुलिस ने 380 लोगों को पकड़ा। यह खुले में शराब पी रहे थे। इसके अलावा वाहन चलाने वालों की भी चेकिंग की। 15 गाड़ियों को सीज किया गया।

इनके चालक शराब पीकर ड्राइविंग कर रहे थे। कुछ लोग पुलिस के कार्रवाई करने पर भिड़ गए। इस पर दो के खिलाफ केस दर्ज किया गया। 28 लोगों को शांति भंग में जेल भेजा गया था। पुलिस की कार्रवाई से ठेका संचालक भी खुले में शराब पीने से मना कर रहे हैं। लोगों को थाने में शपथ भी दिलवाई गई कि वह अब खुले में शराब नहीं पीएंगे। वाहन भी नहीं चलाएंगे। गाड़ियों में बैठकर और ठेल पर पीते हैं शराब

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान ठेकों के साथ ही आसपास खड़ी गाड़ियों और ठेलों को भी चेक किया। सामने आया कि लोग शराब की बोतल खरीदने के बाद गाड़ियों में बैठे थे। लाइट भी नहीं जला रखी थी। इसके साथ ही ठेलों पर भी लोग खड़े हुए थे। ठेल विक्रेता पाउच और पानी की बिक्री कर रहे थे। ऐसे में इन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। सबसे ज्यादा थाना लोहामंडी, इसके बाद थाना हरीपर्वत सर्किल में लोग पकड़े गए। सदर में भी आंकड़ा अधिक रहा। यहां पर ठेकों के बाहर शराब लोग पी रहे थे।

कटघर में फिर वर्चस्व की लड़ाई

पथराव और फायरिंग, दुकानदार को मारी गोली

मुरादाबाद , एजेंसी। कटघर के भदौड़ा में फिर वर्चस्व की जंग में दो पक्षों में जमकर पथराव और फायरिंग हुई जिसमें बीच बचाव करने आए दुकानदार राजेंद्र उर्फ राजू गोली लगने से घायल हो गया जबकि दो अन्य युवक वासु और अनु भी घायल हुए हैं। पुलिस ने तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इस मामले में पुलिस ने तीन अलग-अलग केस दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। कटघर के दस सराय दुर्गेश नगर भदौड़ा में करीब एक माह पहले हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड को अपना वर्चस्व कायम करने के लिए दूसरे हिस्ट्रीशीटर ने अंजाम दिया था। इसके इसी क्षेत्र में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या की गई फिर भाजपा नेता के भतीजे को मौत के घाट उतार दिया गया। बुधवार की रात वर्चस्व की जंग में फिर दो पक्ष भिड़ गए। भदौड़ा निवासी वासु शर्मा और राहुल सागर रंजिश चल रही थी। बुधवार रात करीब नौ बजे दोनों फिर से आमने-सामने आ गए। दोनों के पक्षों में अन्य लोग भी शामिल हो गए। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान वासु मौके से भागकर घर में घुस गया। वासु का आरोप है कि 12 से 15 लोग दरवाजा तोड़कर उसके घर में घुस गए और मारपीट की। इस दौरान दोनों पक्ष में जमकर पथराव हुआ।

इस दौरान लोग मारपीट करते हुए डबल फाटक भदौड़ा में परचून की दुकान चलाने वाले राजेंद्र उर्फ राजू के घर तक पहुंच गए। शोर शराबा होने पर राजेंद्र अपने घर से बाहर आए तो वह वह लोगों को समझाकर मामला शांत कराने लगे। इसी दौरान राजू को किसी ने गोली मार दी। इसके बाद दोनों पक्षों में कई राउंड फायरिंग हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी भाग गए। पुलिस ने घायल राजेंद्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इस घटना में दो अन्य युवक घायल हुए हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर तीन आरोपी हिरासत में ले लिया है।

अब नहीं करेंगे पशु तस्करी... पुलिस मुठभेड़ में दबोचे गए बदमाश ने हाथ जोड़कर मांगी माफी

सोनभद्र , एजेंसी। सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के नौगढ़ पुलिया के पास शुक्रवार की सुबह पशु तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक तस्कर के पैर में गोली लग गई, जबकि उसके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। घायल तस्कर को पुलिस ने पकड़ लिया और उसके कब्जे से पिकअप वाहन में लदे पांच पशु, एक तमंचा 315 बोर और एक कारतूस बरामद किया है।

बिहार का रहने वाला है पशु तस्कर : घायल तस्कर की पहचान बिहार के कैमूर जिले के चैनपुर थाना अंतर्गत झरिया गांव निवासी जितेंद्र यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सीओ सिटी रणधीर मिश्रा ने बताया कि तस्करी रोकने के लिए एसपी अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम जांच में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि चार तस्कर घोरावल से रॉबर्ट्सगंज-नौगढ़ मार्ग के रास्ते बिहार की ओर पशु लेकर जा रहे हैं। पुलिस ने दोमुहिया पुलिया के पास घेराबंदी की तो तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान एक तस्कर घायल हो गया। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार तस्कर जितेंद्र यादव ने बताया कि बिहार के कैमूर जिले में बैठे भगवान यादव और बलवंत यादव नामक तस्करों के इशारे पर यह पशु तस्करी की जाती है। पशुओं को बिहार ले जाकर नाटे, मुखिया और हाफिज नामक तस्करों को सौंपा जाता था, जो उन्हें वध के लिए पश्चिम बंगाल भेजते थे। फरार तस्करों की पहचान इबरार, मल्लू, हजरत, नाटे, मुखिया और हाफिज के रूप में हुई है। पुलिस टीम उनकी तलाश में दबिश दे रही है। मुठभेड़ में थाना प्रभारी माधव सिंह, एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक राजेश कुमार चौबे, चौकी प्रभारी हिन्दुआरी सुरेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी चुर्क विनोद कुमार यादव व चौकी प्रभारी रविकांत मिश्रा अपनी टीमों के साथ मौजूद रहे।

बारिश के कारण पारे ने लगाया गोता, एक दशक का रिकॉर्ड टूटा

रेनकोट के साथ गर्म कपड़ों की पड़ी जरूरत

लखनऊ , एजेंसी। मोंथा तूफान के असर से बृहस्पतिवार को मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला। तड़के शुरू हुई रिमझिम बारिश और झोंकेदार हवाओं के असर से दिन के अधिकतम तापमान का पारा 6.5 डिग्री का गोता लगाकर 23.9 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा।

यह बीते 10 वर्ष में अक्तूबर के महीने में राजधानी में दर्ज किया गया सबसे कम अधिकतम तापमान है। इसके पहले वर्ष 2015 के अक्तूबर महीने में अधिकतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मोंथा तूफान के प्रभाव से मौसम में बदलाव की शुरुआत बुधवार की रात ही हो गई थी। रात में बूंदाबांदी हुई। बृहस्पतिवार तड़के बादलों की सक्रियता बढ़ी तो बूंदाबांदी रिमझिम बारिश में बदल गई। इसके बाद पूरे दिन कभी तेज तो कभी धीमी बारिश होती रही। शाम तक राजधानी में 22.9 मिमी की बारिश रिकॉर्ड हुई। इसके पहले वर्ष 2022 के अक्तूबर माह में एक दिन में इससे ज्यादा 65.5 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। अभी मौसम में विशेष बदलाव के आसार नहीं हैं।

आज भी भिगो सकते हैं बादल: आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में शुक्रवार को भी बूंदाबांदी के आसार हैं। लखनऊ में मोंथा तूफान का असर शुक्रवार रात तक कमजोर पड़ जाएगा। एक नवंबर से मौसम के साफ होने के संकेत हैं। शनिवार से दिन के पारे में एक बार फिर बढ़त देखने को मिलेगी।

छतरी, रेनकोट के साथ गर्म कपड़ों की पड़ी जरूरत: दिन भर हुई बारिश से काम पर निकले लोगों को परेशान होना पड़ा। लोगों को छतरी, रेनकोट के साथ गर्म कपड़ों की जरूरत पड़ी। पारे में गिरावट का हाल ये रहा कि दिन और रात के तापमान में महज 1.1 डिग्री का फर्क रह गया। शाम में बारिश थमने पर लोग सुहाने मौसम का लुत्फ उठाने सैर पर निकले।

साई में कोच रहे हाजी फरमान हैदर का निधन

सीने में दर्द होने पर ले जाया गया था अस्पताल

वाराणसी , एजेंसी। साई में कोच रहे हाजी फरमान हैदर का निधन हो गया है। उनको सीने में दर्द के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बृहस्पतिवार की देर रात मृत घोषित कर दिया। हाजी फरमान हैदर (प्यारे), प्रवक्ता जुमा मस्जिद दारानगर के निधन से पूरे शिया समाज में गहरा शोक है। आज दोपहर 2:30 बजे हाजी फरमान हैदर का जनाजा जेपी टावर, काली महल से दरगाह फातमान, लल्लापुरा ले जाया जाएगा।

फुटबॉल कोच फरमान हैदर ने कोचिंग की शुरुआत यूपी कॉलेज के साइंस सेंटर से की और करियर का समापन भी यूपी कॉलेज साई सेंटर से ही हुआ। रिटायरमेंट के बाद फरमान हैदर का मन धार्मिक कार्यों में ही रमता था।

उन्होंने अपने फुटबॉल करियर में दो राष्ट्रीय मुकाबले खेले। इसमें एक बीसी राय ट्रॉफी दूसरा संतोष ट्रॉफी खेला। इसके बाद उनका चयन भारतीय खेल प्राधिकरण के यूपी कॉलेज स्थित फुटबॉल सेंटर में बतौर कोच हावीगय।

बरेका के पूर्व फुटबॉल कोच विनोद कनौजिया ने बताया कि वह फॉरवर्ड खिलाड़ी थे। उनके निधन पर वाराणसी के जाने-माने फुटबॉल खिलाड़ी और कोच भैरव दत्त, मोहम्मद शहीद, राना अनवर आदि ने श्रद्धांजलि दी है।

हाइलो ओपनः

किरण जॉर्ज ने किया उलटफेर

● 15वें नंबर के खिलाड़ी पोपोव को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के किरण जॉर्ज ने शानदार प्रदर्शन किया और उलटफेर करते हुए दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंट टूर्नामेंट में हराया। किरण ने इसके साथ ही पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-18, 21-19 से हराया।

प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले 25 साल के किरण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। ओडिशा ओपन 2022 और इंडोनेशिया मास्टर्स 2023 के रूप में दो सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले किरण अगले दौर में दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और चीनी ताइपे के ची यू जेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। इससे पहले लक्ष्य सेन और रक्षिता रमेश ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्रमशः पुरुष और महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने हमवतन एस सुक्रमण्यन को 21-14, 21-11 से हराया, जबकि रक्षिता ने एक अन्य ऑल इंडियन मुकाबले में श्रीयांशी वलिशेट्टी को 58 मिनट में 19-21, 21-8, 21-13 से शिकस्त दी।

लक्ष्य अगले दौर में फ्रांस के चौथे वरीय एलेक्स लेनियर से भिड़ेंगे जबकि रक्षिता को डेनमार्क की छठी वरीय लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करना है। पुरुष एकल के एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में आयुष शेट्टी का सामना छठे वरीय और पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन येव से होगा।

सपना अभी पूरी तरह साकार नहीं हुआ है : जेमिमा रोड्रिग्स

मुंबई, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय टीम की जीत की हीरो जेमिमा रोड्रिग्स रहीं। रोड्रिग्स ने अपनी शतकीय पारी से भारत के फाइनल में पहुंचने की यादगार कहानी लिखी। रोड्रिग्स को उनकी नाबाद और यादगार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद जेमिमा ने कहा, सबसे पहले, मैं यीशु का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, क्योंकि मैं यह सब अकेले नहीं कर सकती थी। मुझे पता है कि उन्होंने आज मुझे इस मुश्किल दौर से निकाला। मैं अपनी मां, पिताजी, कोच और हर उस व्यक्ति का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने इस दौरान मुझ पर विश्वास किया। पिछले चार महीने वाकई बहुत मुश्किल रहे, लेकिन यह एक सपने जैसा लग रहा है और अभी तक पूरी तरह से साकार नहीं हुआ है। भारत को जीत के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 339 रन का लक्ष्य दिया था। भारतीय टीम 59 पर मंधाना और शेफाली का विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आईं जेमिमा रोड्रिग्स ने 134 गेंद पर 14 चौकों की मदद से नाबाद 127 रन की पारी खेली और टीम की जीत में यादगार भूमिका निभाई। रोड्रिग्स को कप्तान हरमनप्रीत कौर का भी अच्छा साथ मिला। हरमन ने 88 गेंद पर 89 रन की पारी खेली और तीसरे विकेट के लिए रोड्रिग्स के साथ 167 रन की मैच विनिंग साझेदारी की। दीप्ति शर्मा ने 24, ऋचा घोष ने 26 और अमनजोत कौर ने नाबाद 15 रन बनाए। शेफाली 10 और मंधाना 24 रन बनाकर आउट हुई थीं।

भारत ने 48.3 ओवर में 5 विकेट पर 341 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता। इससे पहले महिला वनडे क्रिकेट में 331 सबसे बड़ा हासिल किए जाने वाला लक्ष्य था। 339 रन का लक्ष्य हासिल कर भारतीय टीम ने नया रिकॉर्ड बना दिया है।

भारत दूसरा टी-20 मैच 4 विकेट से हरा

ऑस्ट्रेलिया ने 126 रन का टारगेट 13.2 ओवर में चेज किया, काम न आई अभिषेक शर्मा की पारी

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 विकेट से हार गई है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 126 रन का टारगेट 13.2 ओवर में 6 विकेट पर चेज कर लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। शुभमन गिल (5 रन), संजू सैमसन (2 रन), तिलक वर्मा (जीरो) और सूर्यकुमार यादव (एक रन) बनाकर आउट हुए।

अभिषेक शर्मा ने हर्षित राणा के साथ अर्धशतकीय साझेदारी करके भारत का स्कोर 100 पार पहुंचा दिया। अभिषेक ने 37 बॉल पर 68 रन बनाए। उनके आउट होते ही टीम इंडिया 18.4 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट हो गई। 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। ऑस्ट्रेलिया से जोश हेजलवुड ने 3 विकेट झटके। जेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस को 2-2 विकेट मिले। एक विकेट स्टोयनिस को मिला। 2 बैटर्स रनआउट हुए।

भारत के 90वें ग्रैंडमास्टर बने इलमपार्थी

एआईसीएफ अध्यक्ष नारंग ने दी बधाई; आनंद ने भी सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। इलमपार्थी ने रिल्टन कप (2024-25) के दौरान 2500 ईएललो रेटिंग का आंकड़ा पार किया और बोस्निया में अंतिम नॉर्म ने उनके ग्रैंडमास्टर खिताब को पक्का कर दिया। युवा शतरंज खिलाड़ी इलमपार्थी ए आर बोस्निया और हर्जेगोविना में जीएम4 बिजेलजीना 2025 शतरंज महोत्सव में अपना अंतिम नॉर्म हासिल करने के बाद भारत के 90वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। चेन्नई के 16 वर्षीय खिलाड़ी इलमपार्थी ने दिसंबर 2023 में वियतनाम में हनोई टूर्नामेंट में अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म और इसके बाद 2024 में सिंगापुर इंटरनेशनल ओपन में उन्होंने दूसरा नॉर्म हासिल किया। इलमपार्थी ने रिल्टन कप (2024-25) के दौरान 2500 ईएललो रेटिंग का आंकड़ा पार किया और बोस्निया में अंतिम नॉर्म ने उनके ग्रैंडमास्टर खिताब को पक्का कर दिया। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने एक्स पर लिखा, भारत के लिए 90वां ग्रैंडमास्टर। देश के 90वें ग्रैंडमास्टर बनने के लिए सभी जरूरी योग्यता पूरी करने पर इलमपार्थी ए आर को बधाई। आपको और भी कई उपलब्धियां और देश को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने एक्स पर लिखा, इलमपार्थी को ग्रैंडमास्टर के रूप में घोषित करते हुए खुशी हो रही है।

कोपा डेल रे :

एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, लेवांटे ने भी जीता मुकाबला

मैड्रिड, एजेंसी। कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों के तीसरे दिन कोई बड़ा उलटफेर देखने को नहीं मिला। एक ओर एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, तो दूसरी तरफ लेवांटे ने जीत दर्ज की। एस्पेनयोल ने स्पेनिश खेल के चौथे टियर में खेलने वाली एटलेटिक लिडा के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। इस टीम के लिए दोनों गोल किके गार्सिया ने दागे। किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की, लेकिन एटलेटिक लिडा ने एल्डो वन की बदौलत तीन मिनट बाद ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन शीर्ष स्तर की टीम को अंतिम मिनटों में तनावभरे पलों का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में लेवांटे ने चौथे टियर के ओरिहुएला के खिलाफ 4-3 से जीत दर्ज की।

यह 7 गोल वाला एक रोमांचक मैच रहा। उनाई एल्गेजाबल और जोस लुइस मोरालेस के गोल ने 11 मिनट में ही लेवांटे को मुकाबले में 2-0 से आगे कर दिया था। शीर्ष स्तर की टीम के लिए यह मुकाबला आसान लग रहा था, लेकिन इसी बीच जेवियर सोल्सोना की पेनाल्टी ने ओरिहुएला को मैच में वापस ला दिया। कार्लोस एस्पी ने 48वें मिनट में गोल दागते हुए लेवांटे को फिर से 2 गोल की बढ़त दिलाई, लेकिन गोंजालो मिरांडे ने तीन मिनट बाद ही लेवांटे की बढ़त फिर से कम कर दी। हेक्टर अयोडेले ने आखिरी मिनट में गोल दागते हुए स्कोर 3-3 पर पहुंचा दिया, लेकिन एस्पी ने 92वें मिनट में विजयी गोल करके लेवांटे को जीत दिलाई। वहीं, सेल्टा विगो ने कमजोर प्यूर्टो डी वेगा को 2-0 से शिकस्त देकर दूसरे दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया है। रियल बेटिस को भी पाल्मा डेल रियो के खिलाफ 7-1 से जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। कोपा का दूसरा दौर 2 से 4 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

पिथौरागढ़ की बेटी बनी एशियन बॉक्सिंग चैंपियन

● **चीन को हराकर जीता गोल्ड; बड़ी बहन भी इंटरनेशनल लेवल पर जीत चुकीं कई मेडल**

पिथौरागढ़ (एजेंसी)। पिथौरागढ़ की बेटी खुशी चंद ने एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। बहरीन के मनामा में 23 से 30 अक्टूबर तक हुई तीसरी एशियाई युवा खेल प्रतियोगिता में खुशी ने अंडर-17 बालिका वर्ग के 44-46 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में खुशी ने चीन की बॉक्सर लूओ जिन्शियु को मात दी। इससे पहले उन्होंने जॉर्डन, सऊदी अरब और मंगोलिया की खिलाड़ियों को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस जीत के बाद पिथौरागढ़ में रह रहा उनका परिवार खुश है, और खुशी के पिता खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। वैसे खुशी परिवार की इकलौती बेटी नहीं जै जिसने परिवार का नाम रोशन किया है, दरअसल खुशी से पहले उसकी बड़ी बहन निकिता चंद ने भी इंटरनेशनल लेवल पर कई मेडल अपने नाम किए हैं।

एसीसी राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में, 16 नवंबर को होगा मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट की शुरुआत 14 नवंबर से होगी। टूर्नामेंट का महामुकाबला यानी भारत-पाकिस्तान मैच 16 नवंबर को खेला जाएगा। सभी मुकाबले कतर के दोहा शहर में होंगे।

एसीसी ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के शेड्यूल का ऐलान किया। इसमें आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हॉन्ग कॉन्ग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप-बी में भारत, ओमान, पाकिस्तान और यूएई हैं।

टी-20 फॉर्मेट में ही खेला जाएगा

यह टूर्नामेंट जिसे पहले एसीसी इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के नाम से जाना जाता था, टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका की 'ए' टीमें हिस्सा लेंगी। तीन एसोसिएट टीमें, हॉन्ग कॉन्ग, ओमान और यूएईअपनी मेन टीमें मैदान में उतारेंगी।

14 नवंबर से 19 नवंबर तक हर दिन दो मैच खेले जाएंगे, जिसके बाद 21 नवंबर को सेमीफाइनल और 23 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा।

एशिया कप के बाद पहली बार होगा भारत-पाक का सामना

भारत और पाकिस्तान का एशिया कप 2025 के बाद पहली बार सामना होगा। एशिया कप में दोनों टीमों के बीच काफी विवाद देखने को मिले था। टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल चीफ मोहसिन नकवी से ट्रॉफी न लेने का फैसला किया था।

नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री हैं और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन भी हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने इससे पहले पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ भी नहीं मिलाया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था।

पाकिस्तान और श्रीलंका ने दो-दो खिताब जीते

इमर्जिंग टीम्स टूर्नामेंट 2013 में शुरू हुआ था और अब तक इसके छह एडिशन हो चुके हैं। टूर्नामेंट का यह सातवां सीजन होगा। यह पहले अंडर-23 टूर्नामेंट के तौर पर शुरू हुआ था, बाद में इसे 'ए' टीमों के बीच होने वाले कॉम्पिटिशन में बदल दिया गया।

पाकिस्तान और श्रीलंका टूर्नामेंट की सबसे सफल टीमें हैं। दोनों ने दो-दो खिताब जीते हैं। जबकि भारत और अफगानिस्तान ने एक-एक बार जीता है। मौजूदा चैंपियन अफगानिस्तान है। अफगानिस्तान ने पिछला एडिशन 2024 में ओमान में जीता था, फाइनल में श्रीलंका को सात विकेट से हराया था।

राहुल द्रविड़ बोले- रोहित ने भारत की टी-20 सोच बदली

टीम को निडर और आक्रामक बनाया, 9 महीने में भारत को 2 आईसीसी ट्रॉफी दिलाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा- रोहित ने टीम की टी-20 क्रिकेट खेलने की सोच पूरी तरह बदल दी। द्रविड़ ने बताया कि जब रोहित कप्तान बने और उन्होंने कोच का काम संभाला, तब दोनों ने मिलकर टीम की बल्लेबाजी को ज्यादा तेज, निडर और बड़े स्कोर वाली शैली में बदलने का फैसला किया।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 9 महीने के भीतर 2 आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की थी। टीम ने जून 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीता था।रोहित की कप्तानी में भारत ने इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था।

रोहित ने शुरुआत से अटैकिंग क्रिकेट पर बात की- द्रविड़

राहुल द्रविड़ ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं अपने आने से पहले क्या हुआ उस पर बात नहीं कर सकता। लेकिन जब से मैं आया, रोहित के साथ हमारी बातचीत हमेशा इस बात पर रही कि हमें ज्यादा आक्रामक क्रिकेट खेलनी है। हमने ये शुरुआत से ही लागू किया, क्योंकि हमें दिख रहा था कि खेल उसी दिशा में जा रहा है। रोहित को इसका बड़ा श्रेय जाता है।

भारत की बल्लेबाजी अब दुनिया के लिए नया पैमाना बन गई हैः द्रविड़ ने आगे कहा कि भारत की टी-20 बल्लेबाजी अब दुनिया के लिए नया पैमाना बन गई है। मुझे खुशी है कि हमने इसी रवैये को जारी रखा। आज भारतीय टी-20 बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर है। टीम लगभग 300 के करीब रन बनाती है और बाकी दुनिया अब भारत की बराबरी करने की कोशिश कर रही है। पिछले 3-4 साल में बाकी टीमें भी अब कह रही हैं कि हमें भारत जैसे खेलना होगा।

कोच सिर्फ माहौल बनाते हैं

राहुल द्रविड़ ने कहा कि कोच सिर्फ माहौल बनाते हैं, लेकिन मैदान पर जोखिम खिलाड़ी ही लेते हैं। क्रेडिट खिलाड़ियों और कप्तान को जाता है। हम उन्हें भरोसा दे सकते हैं, लेकिन खेलना और बड़े शॉट मारना उन्हें ही होता है।

भारत को टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनाया

कोच राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा की जोड़ी ने भारत को 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जिताया था। टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराया था।